Quran Plus School

ONLINE QUR'AN & SUBJECT ACADEMY

नूरानी क़ायदा

स्टैंडर्ड / बड़ों का एडिशन · नूरानी क़ायदा की तरतीब, मदनी क़ायदा के तजवीदी क़वाइद, और डिजिटल मदद (ऑडियो, वीडियो, मश्क़)।

स्टैंडर्ड / बड़े

नूरानी
असल तरतीब

मदनी
तजवीद और तरीक़ा

डिजिटल
ऑडियो · वीडियो · मश्क़

नाम: ____________________

डिजिटल क़ायदा
स्कैन करें — ऑडियो, वीडियो और मश्क़
quranplusschool.com

اَ بَ تَ

नाम: ____________________

उस्ताद और वालिदैन के लिए *रहनुमाई*

हर पन्ना चार क़दमों में पढ़ाया जाता है:

देखें
स्टूडेंट पेज पर अरबी को देखे।

सुनें
टीचर (या ऑडियो) इसे सही पढ़कर सुनाएँ।

दोहराएँ
स्टूडेंट दोहराए; टीचर फ़ौरन ग़लती ठीक करें।

पढ़ें
स्टूडेंट इसे अकेले, बिना मदद के पढ़े।

पहले हिज्जे, फिर रवाँ
हर सबक़ दो तरह से पढ़ा जाता है: हिज्जे करके, जब तक हर आवाज़ सही न हो जाए, फिर बिना हिज्जे के रवाँ।

पहले सुनें, फिर दोहराएँ
अरबी आवाज़ें सुनकर सीखी जाती हैं। टीचर पहले पढ़ते हैं और आगे बढ़ने से पहले हर मख़रज ठीक कराते हैं।

जल्दबाज़ी न करें
अगले सबक़ पर तभी जाएँ जब मौजूदा सबक़ बिना ग़लती के पढ़ा जाए। हर क्लास की शुरुआत में पिछला सबक़ दोहराएँ।

थोड़ा, मगर रोज़ाना
हफ़्ते में एक लंबे सबक़ से रोज़ाना 15–20 मिनट बेहतर हैं। हर क्लास तारीफ़ के साथ ख़त्म करें।

क़ुरआन का अदब
बिस्मिल्लाह से शुरू करें, किताब को साफ़ रखें और ध्यान से पढ़ें — अच्छा अदब भी सीखने का हिस्सा है।

रोमन इंग्लिश (जैसे AHADUN) सिर्फ़ किड्स एडिशन में, सिर्फ़ सबक़ 1–10 की पहली लाइन में आती है, और फिर बंद हो जाती है — ताकि बच्चा ख़ुद अरबी पढ़ना सीखे।

आख़िरी पेज पर दिया गया आख़िरी टेस्ट ज़रूरी नहीं है — छोटा बच्चा जब पहली बार क़ायदा सीखता है, तब इसकी ज़रूरत नहीं।

- डिजिटल क़ायदे में इस सबक़ का छोटा वीडियो
- ऑडियो: सुनें · दोहराएँ · धीमा
- हर सबक़ पर दिया गया QR कोड स्कैन करें
- हर पन्ने के बाद एक स्टार में रंग भरें

हिज्जे — फिर रवाँ पढ़ना

بَ	बा ज़बर — ब	بًا	बा दो ज़बर — बन
بِ	बा ज़ेर — बि	اَبْ	अलिफ़ ज़बर अ, बा जज़्म — अब
بُ	बा पेश — बु	اَبَّ	अलिफ़ ज़बर अ, बा तशदीद ज़बर — अब-बा

सबक़, उनकी तरतीब और अंदाज़ रिवायती नूरानी क़ायदा (मौलाना नूर मुहम्मद हक़्क़ानी) के मुताबिक़ हैं। तजवीद के नियम और पढ़ाने का तरीक़ा मदनी क़ायदा की तरतीब के मुताबिक़ हैं, जिन्हें हमने अपने शब्दों में लिखा है।

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

नाम: ____________________

हुरूफ़ कहाँ से निकलते हैं — *मख़ारिज*

वीडियो हुरूफ़ कहाँ से निकलते हैं (मख़ारिज)

आवाज़ सुनें · दोहराएँ · धीमा

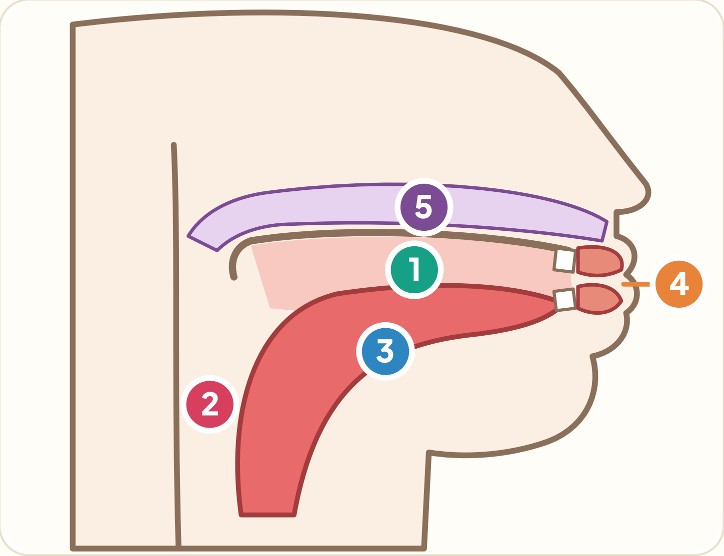

1 खुला मुँह (जौफ़) — मद के हुरूफ़
ا و ی

2 गला (हलक़)
ء ہ · ع ح · غ خ

3 ज़बान (लिसान)
ق ک · ج ش ی · ض · ل ن ر · ط د
ت · ص ز س · ظ ذ ث

4 होंठ (शफ़तान)
ف · ب م و

5 नाक (ख़ैशूम) — ग़ुन्ना
نّ مّ

मिलती-जुलती आवाज़ें — ध्यान से अदा करें

"स" की तीन क़िस्में ث · س · ص	"ज़" की चार क़िस्में ذ · ز · ض · ظ	"ह" की दो क़िस्में ح · ہ
ऐन और हमज़ा ع · ء	गहरा क़ाफ़, बारीक काफ़ ق · ک	बारीक ता, पुर ता ت · ط

पुर हुरूफ़ (भरे मुँह से): خ ص ض غ ط ق ظ — बाक़ी सब हुरूफ़ बारीक हैं।

तरीक़ा तस्वीर पर हर हिस्सा दिखाएँ और उसके हुरूफ़ बोलें; स्टूडेंट उस हिस्से को छुए और दोहराए। फिर दो मिलते-जुलते हुरूफ़ बोलें; स्टूडेंट सही हर्फ़ पर उँगली रखे।

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

اَلْحُرُوْفُ الْمُفْرَدَةُ تختی نمبر ١ — مفردات
अकेले हुरूफ़

تختی ١

वीडियो हुरूफ़ कहाँ से निकलते हैं (मख़ारिज)

पढ़ाने का तरीक़ा طریقۂ تدریس

1. देखें — क़लम से एक हर्फ़ पर इशारा करें; स्टूडेंट उसकी शक्ल देखे।
2. सुनें — उसका नाम उसके सही मख़रज से तीन बार बोलें (पन्ना 3 देखें)।
3. दोहराएँ — स्टूडेंट दोहराए; पुर (लाल) और हलक़ी हुरूफ़ की ग़लती फ़ौरन ठीक कराएँ।
4. पढ़ें — स्टूडेंट लाइन अकेले पढ़े, फिर हुरूफ़ बे-तरतीब। रोज़ाना 3–4 नए हुरूफ़।

नूरानी क़ायदा में छपे हुए हुरूफ़ — पुर हुरूफ़ लाल रंग में

ح हा (ح)	ج जीम	ث सा	ت ता	ب बा	ا अलिफ़
س सीन	ز ज़ा	ر रा	ذ ज़ाल	د दाल	خ ख़ा
ع ऐन	ظ ज़ो (ظ)	ط तो (ط)	ض ज़ाद (ض)	ص साद	ش शीन
م मीम	ل लाम	ک काफ़	ق क़ाफ़	ف फ़ा	غ ग़ैन
ے बड़ी ये (उर्दू)	ی या	ء हमज़ा	ہ हा (ہ)	و वाव	ن नून

तजवीद के क़वाइद قواعدِ تجوید

- हुरूफ़ 29 हैं। हर हर्फ़ को उसकी अरबी आवाज़ (मख़रज) से पढ़ें, उर्दू आवाज़ से नहीं: ث, س नहीं है; ح, ہ नहीं है; ذ ز ض ظ चार अलग-अलग आवाज़ें हैं।
- हलक़ी हुरूफ़ (हलक़ के हुरूफ़) — 6: ء ہ हलक़ के सबसे गहरे हिस्से से, ع ح बीच से, غ خ ऊपर से।
- पुर (मोटे) हुरूफ़ (मुस्तअलिया) — 7: خ ص ض غ ط ق ظ, जिन्हें خُصَّ ضَغْطٍ قِظْ से याद रखा जाता है। इन्हें हमेशा भरे हुए, मोटे मुँह से पढ़ें।
- होंठों के हुरूफ़ (शफ़वी) — 4: ب ف م و। सीटी वाले हुरूफ़ (सफ़ीरी) — 3: ص ز س, इन्हें हल्की-सी सीटी के साथ पढ़ें।

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 1 · 2/2

अकेले हुरूफ़

वीडियो

مفردات

तरीक़ा किसी भी बॉक्स पर इशारा करें; तालिब-ए-इल्म हर्फ़ का नाम बताए। फिर हर लाइन दाएँ से बाएँ बिना रुके पढ़ें।

दोहराई और प्रैक्टिस — मिले-जुले हुरूफ़, बिना तरतीब

ن	ث	ع	ا	ظ	ک	ض	ب	ح	ر
ذ	ف	ه	ج	ق	ط	د	ی	غ	س
ے	ز	ت	و	ش	ء	ل	خ	ص	م

दोहराई और प्रैक्टिस — पुर या बारीक? पढ़ें, फिर बताएँ कौन-सा

ع	غ	د	ض	س	ص	ب	خ
ه	ح	ز	ظ	ک	ق	ت	ط

पुर हुरूफ़ (भरे मुँह से): خ ص ض غ ط ق ظ — बाक़ी सब बारीक हैं।

मिलती-जुलती शक्लें — नुक़्तों को देखें

ب ت ث ن ی | ج ح خ | د ذ | ر ز | س ش | ص ض | ط ظ | ع غ | ف ق

ی → یـ | ن → نـ | ث → ثـ | ت → تـ | ب → بـ

सिर एक जैसा, नुक़्ते अलग: नुक़्ते गिनें और देखें कि वे कहाँ हैं।

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

ل	ر	ح	ف	ه	و	ب	ء
م	ض	غ	خ	ی	ظ	د	ن

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ۲ اَلْحُرُوْفُ الْمُرَكَّبَةُ

تختی نمبر ۲ — مرکبات
जुड़े हुए हुरूफ़

वीडियो हुरूफ़ कैसे जुड़ते हैं

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. पूरा हर्फ़ और उसका "सिर" साथ-साथ दिखाएँ (ب → بـ)।
2. स्टूडेंट दाएँ से बाएँ हर हर्फ़ का नाम बताए: بت = "बा-ता"।
3. एक हर्फ़ को उँगली से ढकें और पूछें: "कौन-सा हर्फ़ छुपा है?"
4. न जुड़ने वाले छह हुरूफ़ (ا د ذ ر ز و) जब भी आएँ, हर बार उनकी तरफ़ इशारा करें।

तजवीद के क़वाइद — قواعد تجوید

- जब हुरूफ़ जुड़ते हैं, तो आम तौर पर हर्फ़ का सिर्फ़ "सिर" लिखा जाता है। हर हर्फ़ को उसके नुक़्तों से पहचानें — कितने हैं और कहाँ हैं (ب एक नीचे, ت दो ऊपर, ث तीन ऊपर)।
- छह हुरूफ़ — ا د ذ ر ز و — अपने बाद वाले हर्फ़ से कभी नहीं जुड़ते। हर जोड़ को हुरूफ़ के नाम लेकर पढ़ें: لا = لام الف।

जुड़े हुए हुरूफ़ (हुरूफ़-ए-मुरक्कबात)

ل	لا	با	لـا	لا	ا
ك	ک	بلب	لا	لح	لا
تلث	بكت	كا	كا	كب	كب
با	ى	ن	ث	ت	ب
يس	بس	ثا	يا	تا	نا
نخ	تح	ثج	ثس	تس	نس
تم	نم	بم	يم	بج	يح

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 2 · 2/3

जुड़े हुए हुरूफ़

वीडियो

مرکبات

तरीक़ा हर बॉक्स में दोनों हुरूफ़ के नाम दाएँ से बाएँ बताएँ; तालिब-ए-इल्म उँगली से जोड़ पर लकीर खींचे।

जुड़े हुए हुरूफ़ (हुरूफ़-ए-मुरक्कबात)

जारी · جاری

ثی	تی	نی	یی	بی	ثم
نبن	ثنل	یتل	بیل	تنل	نبل
ح	ج	ثثن	یتن	تین	بنن
یجب	تحت	جت	خب	حث	خ
ته	یه	بة	ه	ة	بخت
د	بهم	بها	یهب	ھ	نة
جر	ز	ر	خذ	جد	ذ
س	تز	یر	ز	ر	خز
ط	ض	ص	شل	سل	ش
ع	ظا	ضا	طب	صب	ظ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 2 · 3/3 **जुड़े हुए हुरूफ़** वीडियो مرکبات

तरीक़ा सिर्फ़ हुरूफ़ के नाम से हिज्जे करें। फिर "कौन-सा हर्फ़?" खेलें: आप इशारा करें, तालिब-ए-इल्म उसका नाम बताए।

जुड़े हुए हुरूफ़ (हुरूफ़-ए-मुरक्कबात)

जारी · جاری

ضغ	صع	غر	عز	ء	غ
ف	ئ	ؤ	أ	تغذ	بعد
قفل	فقل	فو	قو	و	ق
تم	لم	حم	ـم	م	يف
					تمت

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

لا	ق	صب	ر	ظا	يا
ش	فو	جد	ف	بنن	قفل

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

يا	بم	بها	ض	نا	حث

ख़ुद को जाँचें — पढ़ें, फिर एक गोले में रंग भरें

ف	س	كا	لم	لح	ث

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ٣ — اَلْحُرُوْفُ الْمُقَطَّعَات

تختی نمبر ٣ — حروفِ مقطعات
मुक़त्तआत — अलग-अलग पढ़े जाने वाले हुरूफ़

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. समझाएँ: ये शब्द नहीं, बल्कि हुरूफ़ हैं, जो अपने नामों से पढ़े जाते हैं।
2. सूरत की शुरुआत वाला एक ग्रुप धीरे-धीरे पढ़ें, ٓ वाले हुरूफ़ को खींचते हुए।
3. स्टूडेंट दोहराए, और ٓ के लिए उँगलियों पर 6 गिने।
4. सूरतों की शुरुआत वाले इन ग्रुपों में से दो मुसहफ़ में दिखाएँ।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- मुक़त्तआत हुरूफ़ एक-एक करके उनके नाम से पढ़े जाते हैं, कभी एक शब्द की तरह नहीं।
- जहाँ नाम م पर ख़त्म हो और अगला हर्फ़ م हो, वहाँ दोनों ग़ुन्ना के साथ मिल जाते हैं: الٓمٓ = अलिफ़ लाऽऽम-मीऽऽम।
- जिस हर्फ़ पर मद का निशान (ٓ) हो, उसे 6 गिनती तक खींचा जाता है (मद्दे लाज़िम)। दो हुरूफ़ वाले नाम — را، ہا، یا، طا، حا — 2 गिनती में पढ़े जाते हैं।

सूरतों की 14 शुरुआतें

الٓمٓ — अलिफ़ लाम मीम	الٓمٓصٓ — अलिफ़ लाम मीम साद
الٓر — अलिफ़ लाम रा	الٓمٓر — अलिफ़ लाम मीम रा
كٓهٰيٰعٓصٓ — काफ़ हा या ऐन साद	طٰهٰ — तो हा
طٰسٓمٓ — तो सीन मीम	طٰسٓ — तो सीन
يٰسٓ — या सीन	صٓ — साद
حٰمٓ — हा मीम	عٓسٓقٓ — ऐन सीन क़ाफ़
قٓ — क़ाफ़	نٓ — नून

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

يٰسٓ	طٰسٓمٓ	طٰهٰ	حٰمٓ
نٓ	الٓمٓر	حٰمٓ عٓسٓقٓ	طٰسٓ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ۴

اَلْحَرَكَاتُ

تختی نمبر ۴ — حرکات
हरकतें — ज़बर, ज़ेर, पेश

वीडियो ज़बर, ज़ेर, पेश

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. निशान और मुँह दोनों दिखाएँ: ज़बर — मुँह खुला, ज़ेर — जबड़ा नीचे, पेश — होंठ गोल।
2. हिज्जे: "बा ज़बर ब" — स्टूडेंट हर बॉक्स के हिज्जे करे।
3. रवाँ: वही लाइन बिना हिज्जे के रवानी से पढ़ें।
4. कॉलम में ऊपर से नीचे भी पढ़ें, और उर्दू की आदतें छुड़ाएँ: ज़ेर को "ए" नहीं, पेश को "ओ" नहीं।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- फ़तहा (ज़बर): मुँह खोलें, आवाज़ ऊपर उठती है — "अ"। कसरा (ज़ेर): जबड़ा नीचे आता है, आवाज़ नीचे जाती है — "इ"। ज़म्मा (पेश): होंठ गोल करें — "उ"।
- पुर हुरूफ़ हर हरकत के साथ पुर ही रहते हैं। ر ज़बर या पेश के साथ पुर होता है, और ज़ेर के साथ बारीक।
- हर हरकत को छोटा पढ़ें — एक गिनती। उसे न खींचें, न झटके से रुकें, और ज़ेर को "ए" या पेश को "ओ" न बनाएँ (उर्दू की आदत)।

ज़बर — ऊपर निशान बَ — मुँह खोलें: "ब"

ज़ेर — नीचे निशान بِ — जबड़ा नीचे: "बि"

पेश — ऊपर का निशान بُ — होंठ गोल करें: "बु"

हरकतें — ज़बर, ज़ेर, पेश (हुरूफ़ मख़रज की तरतीब से)

هُ	هِ	هَ	اُ	اِ	اَ
حُ	حِ	حَ	عُ	عِ	عَ
خُ	خِ	خَ	غُ	غِ	غَ
كُ	كِ	كَ	قُ	قِ	قَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 4 · 2/3

हरकतें — ज़बर, ज़ेर, पेश

वीडियो

حرکات

तरीक़ा लाइनों को दाएँ से बाएँ और कॉलमों को ऊपर से नीचे पढ़ें: ज़बर — मुँह खुला, ज़ेर — जबड़ा नीचे, पेश — होंठ गोल।

हरकतें — ज़बर, ज़ेर, पेश (हुरूफ़ मख़रज की तरतीब से)

जारी · جاری

شُ	شِ	شَ	جُ	جِ	جَ
ضُ	ضِ	ضَ	ىُ	يِ	ىَ
نُ	نِ	نَ	لُ	لِ	لَ
طُ	طِ	طَ	رُ	رِ	رَ
تُ	تِ	تَ	دُ	دِ	دَ
سُ	سِ	سَ	صُ	صِ	صَ
ظُ	ظِ	ظَ	زُ	زِ	زَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

हरकतें — ज़बर, ज़ेर, पेश (हुरूफ़ मख़रज की तरतीब से)

जारी · جاری

ذَ	ذِ	ذُ	ثَ	ثِ	ثُ
فَ	فِ	فُ	وَ	وِ	وُ
بَ	بِ	بُ	مَ	مِ	مُ

दोहराई और प्रैक्टिस — ज़बर, ज़ेर, पेश मिले-जुले

بَ	ثِ	جُ	دَ	رِ	سُ	صَ	طِ
عُ	فَ	قِ	كُ	لَ	مِ	نُ	وَ

سَمِعَ	عَلِمَ	كُتِبَ	حَسِبَ	لَبِثَ	نُفِخَ

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

كُ	ضُ	خِ	قُ	دِ	عِ	ثُ	وِ
شَ	مَ	دَ	سُ	ذِ	عَ	زَ	هُ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 — Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ۵

اَلتَّنوِيْنُ — تختی نمبر ۵—تنوین
तनवीन

वीडियो तनवीन — छुपा हुआ नून

पढ़ाने का तरीक़ा
طریقۂ تدریس

1. दो निशानों का मतलब है छुपा हुआ नून: दो ज़बर = "अन", दो ज़ेर = "इन", दो पेश = "उन"।
2. हिज्जे: "बा दो-ज़बर बन"।
3. एक निशान और दो निशानों का मुक़ाबला करें: بَ / بًا।
4. रुकना दिखाएँ: بًا → "बा"; بٍ और بٌ → "ब्"।

तजवीद के क़वाइद
قواعدِ تجوید

- तनवीन शब्द के आख़िर में एक नून साकिन है: दो ज़बर = "अन", दो ज़ेर = "इन", दो पेश = "उन"।
- इस तख़्ती में इख़्फ़ा की मश्क़ होती है: छह हलक़ी हुरूफ़ (ء ه ع ح غ خ), ر और ل, और मुशद्दद हर्फ़ के सिवा हर हर्फ़ से पहले तनवीन नाक में छुपाई जाती है। दो ज़बर (फ़तहतान) के हिज्जे करते वक़्त अलिफ़ (और ی का ـًى) नहीं पढ़ा जाता।
- दो ज़बर के बाद वाला अलिफ़ (ـًا) मिलाकर पढ़ते वक़्त नहीं पढ़ा जाता; उस पर रुकें तो "अन" की जगह लंबा "आ" पढ़ें।

तनवीन — दो ज़बर, दो ज़ेर, दो पेश

بٌ	بٍ	بًا	مٌ	مٍ	مًا
فٌ	فٍ	فًا	وٌ	وٍ	وًا
ذٌ	ذٍ	ذًى	ثٌ	ثٍ	ثًا
زٌ	زٍ	زًا	ظٌ	ظٍ	ظًا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 5 · 2/3 **तनवीन** वीडियो تنوین

तरीक़ा हर ग्रुप पढ़ें مًا → مٍ → مٌ; तालिब-ए-इल्म बताए कि उसने कौन-सी तनवीन सुनी।

तनवीन — दो ज़बर, दो ज़ेर, दो पेश

जारी · جاری

صٌ	صٍ	صًا	سٌ	سٍ	سًا
دٌ	دٍ	دًى	تٌ	تٍ	ةً
رٌ	رٍ	رًا	طٌ	طٍ	طًا
لٌ	لٍ	لًا	نٌ	نٍ	نًا
ىٌ	يٍ	يًا	ضٌ	ضٍ	ضًا
جٌ	جٍ	جًا	شٌ	شٍ	شًا
قٌ	قٍ	قًا	كٌ	كٍ	كًا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________

तख़्ती 5 · 3/3 | **तनवीन** | वीडियो | تنوين

तनवीन — दो ज़बर, दो ज़ेर, दो पेश

जारी · جاری

غٌ	غٍ	غًا	خٌ	خٍ	خًا
عٌ	عٍ	عًا	حٌ	حٍ	حًا
ءٌ	ءٍ	ءً	هٌ	هٍ	هًا

दोहराई और प्रैक्टिस — दो ज़बर, दो ज़ेर, दो पेश मिले-जुले

○ ○ ○

فٍ	عًا	طٌ	صٍ	سًا	دٌ	جٍ	بًا
يًا	هٌ	وٍ	نًا	مٌ	لٍ	كًا	قٌ
شًا	شَ	ذٌ	ذُ	خٍ	خِ	حًا	حَ

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

○ ○ ○

زٍ	غًا	طٌ	وًا	وٌ	شًا	ضًا	كٍ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

تختی ٦

تَمْرِيْنُ الْحَرَكَاتِ وَالتَّنْوِيْنِ

تختی نمبر ٦ — مشق حرکات وتنوین
प्रैक्टिस: हरकतें और तनवीन

डिजिटल सबक़

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. पढ़ने से पहले स्टूडेंट शब्द के हर हर्फ़ पर लगी हरकत ढूँढे।
2. शब्द के एक बार हिज्जे करें, फिर उसे रवाँ पढ़ें।
3. ग़लती पर लकीर नहीं, बल्कि एक छोटा-सा नुक़्ता लगाएँ; अगली क्लास नुक़्ते वाले शब्दों से शुरू करें।
4. आख़िर में पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- हर शब्द दो बार पढ़ें: पहले हिज्जे करके, फिर रवाँ। पुर हुरूफ़ को पुर रखें और मिलते-जुलते हुरूफ़ को अलग-अलग अदा करें।

प्रैक्टिस: हरकतें और तनवीन

اَمَرَ	اَذِنَ	اَخَذَ	اَحَدٌ	اَبَدًا
جَمَعَ	جَعَلَ	بَرَرَةٍ	بَخِلَ	اَنَا
خُلِقَ	خَلَقَ	خَشِيَ	حَشَرَ	حَسَدَ
سَفَرَةٍ	سُرُرٌ	رَقَبَةٍ	رَفَعَ	ذَكَرَ
طُوًى	طَبَقًا	طَبَقٍ	وَسَطًا	صُحُفًا
عِنَبًا	عَمَدٍ	عَلَقٍ	عَدَلَ	عَبَسَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________

तख़्ती 6 · 2/2

प्रैक्टिस: हरकतें और तनवीन

مشقِ حرکات وتنوین

तरीक़ा हर शब्द दो बार पढ़ें — एक बार मिलाकर, एक बार रुककर — ताकि स्टूडेंट फ़र्क़ सुन सके।

प्रैक्टिस: हरकतें और तनवीन

जारी · جاری

قَدَرَ	قُتِلَ	قَتَرَةٌ	فَعَلَ	غَبَرَةٌ
كَسَبَ	كُتُبٌ	كَبَدٍ	قَسَمٌ	قُرِئَ
لَهَبٍ	لُمَزَةٍ	لُبَدًا	كُفُوًا	كَفَرَ
وَقَبَ	وَسَقَ	وَجَدَ	نَخِرَةً	مَسَدٍ
	هُدًى	هُمَزَةٍ	وَهَبَ	وَلَدَ

दोहराई और प्रैक्टिस

عَبَسَ	مَسَدٍ	كُفُوًا	قُتِلَ	خَلَقَ	اَحَدٌ

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

عَدَلَ	وَسَطًا	كَبَدٍ	سُرُرٌ	طَبَقًا
وَقَبَ	قُتِلَ	كَفَرَ	عَبَسَ	كَسَبَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ۷

اَلْحَرَكَاتُ الْقَائِمَةُ تختی نمبر ۷ — کھڑا زبر، کھڑی زیر، الٹا پیش
खड़ा ज़बर, खड़ी ज़ेर, उल्टा पेश

वीडियो खड़ा ज़बर, खड़ी ज़ेर और उल्टा पेश

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. بَ और بٰ को साथ-साथ रखें: एक गिनती के मुक़ाबले दो गिनती।
2. हर खड़े निशान पर दो गिनती तक हाथ को एक तरफ़ ले जाएँ।
3. हिज्जे: "ज़ाल खड़ा-ज़बर ज़ा"।
4. ٗ और ٖ को असली शब्दों में दिखाएँ: لَهٗ، بِهٖ।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- खड़ा ज़बर (ٰ), खड़ी ज़ेर (ٖ) और उल्टा पेश (ٗ) मद के हुरूफ़ की तरह पढ़े जाते हैं: 2 गिनती (एक अलिफ़) तक खींचें।

खड़ा ज़बर, खड़ी ज़ेर, उल्टा पेश

ثٗ	ثٖ	ثٰ	تٗ	تٖ	تٰ	بٗ	بٖ	بٰ
خٗ	خٖ	خٰ	حٗ	حٖ	حٰ	جٗ	جٖ	جٰ
رٗ	رٖ	رٰ	ذٗ	ذٖ	ذٰ	دٗ	دٖ	دٰ
شٗ	شٖ	شٰ	سٗ	سٖ	سٰ	زٗ	زٖ	زٰ
			ضٗ	ضٖ	ضٰ	صٗ	صٖ	صٰ

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

دٗ	خٗ	جٗ	بٗ	ثٰ	جٰ	رٰ	شٖ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 7 · 2/2

खड़ा ज़बर, खड़ी ज़ेर, उल्टा पेश

वीडियो

کھڑا زبر، کھڑی زیر، اُلٹا پیش

शब्द

اِلٰى	عَلٰى	بِهٖ	لَهٗ	كَذٰلِكَ	ذٰلِكَ
بَلٰى	مَعَهٗ	فَلَهٗ	وَلَهٗ	اِلٰهًا	اِلٰهٌ

दोहराई और प्रैक्टिस — छोटा या लंबा? पढ़ें और मुक़ाबला करें

سٰ	سَ	جٗ	جُ	تٖ	تِ	بٰ	بَ
ضٖ	صٰ	شٗ	زٖ	رٰ	دٗ	خٖ	حٰ

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

جٰ	ذٖ	ثٗ	ضٖ	خٖ	ذٗ	شٖ	صٗ
دٗ	خٗ	زٖ	ثٗ	صٰ	شٰ	زٰ	سٖ

ख़ुद को जाँचें — पढ़ें, फिर एक गोले में रंग भरें

ضٗ	بٖ	رٰ	سٰ	خٰ	جٰ	دٰ	ثٗ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

حُرُوْفُ الْمَدِّ وَاللِّیْنِ
تختی ٨

تختی نمبر ٨ — مد و لین
मद और लीन के हुरूफ़

वीडियो मद और लीन के हुरूफ़

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. मद के तीन हुरूफ़ और उनकी शर्तें दिखाएँ।
2. हिज्जे: "बा ज़बर अलिफ़ बा" — उँगलियों पर 2 गिनें।
3. छोटी और लंबी आवाज़ का फ़र्क़ दिखाएँ: بَ / بَا, بِ / بِیْ, بُ / بُوْ।
4. लीन: नरम और छोटा — بَیْ، بَوْ — न खींचें, न झटका दें।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- मद के हुरूफ़ तीन हैं: ज़बर के बाद साकिन ا, पेश के बाद साकिन و, ज़ेर के बाद साकिन ی। इन्हें 2 गिनती खींचें — न ज़्यादा, न कम।
- लीन के हुरूफ़ दो हैं: ज़बर के बाद साकिन و और साकिन ی। इन्हें नरमी से पढ़ें, बिना खींचे और बिना झटके के।

मद के हुरूफ़ — ज़बर के बाद अलिफ़, पेश के बाद वाव, ज़ेर के बाद या

تِیْ	تُوْا	تَا	بِیْ	بُوْا	بَا
حِیْ	حُوْا	حَا	ثِیْ	ثُوْا	ثَا
رِیْ	رُوْا	رَا	خِیْ	خُوْا	خَا
طِیْ	طُوْا	طَا	زِیْ	زُوْا	زَا
فِیْ	فُوْا	فَا	ظِیْ	ظُوْا	ظَا
یِیْ	یُوْا	یَا	ہِیْ	ہُوْا	ہَا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 8 · 2/4 — **मद और लीन के हुरूफ़** — वीडियो — مد و لین

तरीक़ा हर मद पर दो गिनती थपथपाएँ; फ़र्क़ दिखाएँ: بَ / بَا, بُ / بُوْ, بِ / بِیْ।

मद के हुरूफ़ — ज़बर के बाद अलिफ़, पेश के बाद वाव, ज़ेर के बाद या

जारी · جاری

جِیْ	جُوْا	جَا	ءِیْ	ءُوْا	ءَا
ذِیْ	ذُوْا	ذَا	دِیْ	دُوْا	دَا
شِیْ	شُوْا	شَا	سِیْ	سُوْا	سَا
ضِیْ	ضُوْا	ضَا	صِیْ	صُوْا	صَا
غِیْ	غُوْا	غَا	عِیْ	عُوْا	عَا
کِیْ	کُوْا	کَا	قِیْ	قُوْا	قَا
مِیْ	مُوْا	مَا	لِیْ	لُوْا	لَا
وِیْ	وُوْا	وَا	نِیْ	نُوْا	نَا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 8 · 3/4

मद और लीन के हुरूफ़

वीडियो

مد ولین

तरीक़ा मद को लंबा और लीन को नरम और छोटा बोलें; स्टूडेंट सिर्फ़ मद पर ताली बजाए।

लीन के हुरूफ़ — ज़बर के बाद जज़्म वाले वाव और या

دَیْ	دَوْ	ثَیْ	ثَوْ	تَیْ	تَوْ
زَیْ	زَوْ	رَیْ	رَوْ	ذَیْ	ذَوْ
صَیْ	صَوْ	شَیْ	شَوْ	سَیْ	سَوْ
ظَیْ	ظَوْ	طَیْ	طَوْ	ضَیْ	ضَوْ
اَیْ	اَوْ	نَیْ	نَوْ	لَیْ	لَوْ
حَیْ	حَوْ	جَیْ	جَوْ	بَیْ	بَوْ
غَیْ	غَوْ	عَیْ	عَوْ	خَیْ	خَوْ
کَیْ	کَوْ	قَیْ	قَوْ	فَیْ	فَوْ

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

طُوْا	صَا	طَا	شَوْ	ذَوْ	اَوْ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________

मद और लीन के हुरूफ़

वीडियो

مد و لین

लीन के हुरूफ़ — ज़बर के बाद जज़्म वाले वाव और या

जारी · جاری

مَوْ	مَیْ	وَوْ	وَیْ	ہَوْ	ہَیْ
یَوْ	یَیْ				

दोहराई और प्रैक्टिस — मद या लीन? पढ़ें, फिर बताएँ कौन-सा

بَا	بَوْ	بِیْ	بَیْ	بُوْ	تَا	تَوْ	تِیْ
خَیْ	خُوْ	دَا	دَوْ	رِیْ	رَیْ	سُوْ	سَوْ
قَا	قَیْ	کُوْ	کَوْ	لِیْ	لَیْ	مَا	مَوْ

मद (लंबा, 2 गिनती): ज़बर के बाद अलिफ़, पेश के बाद वाव साकिन, ज़ेर के बाद या साकिन। लीन (नरम, छोटा): ज़बर के बाद वाव साकिन और या साकिन।

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

اَوْ	طَا	ءِیْ	طَیْ	سُوْا	ضَوْ
فُوْا	ثَا	خِیْ	بَا	رَا	لَیْ

ख़ुद को जाँचें — पढ़ें, फिर एक गोले में रंग भरें

ضَیْ	فُوْا	مَوْ	مُوْا	خَا	خَوْ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________

डिजिटल सबक़

تختی ۹

تَمۡرِيۡنُ الۡمَدِّ وَاللِّيۡنِ

تختی نمبر ۹ — مشق حرکات، مد و لین

प्रैक्टिस: हरकतें, मद और लीन

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. पढ़ने से पहले स्टूडेंट शब्द में मद के हर हर्फ़ को टैप करे।
2. पहले छोटी-लंबी जोड़ियाँ पढ़ें: كَتَبَ / كِتٰبٌ।
3. गिनती जाँचें: ठीक दो — न एक, न तीन।
4. कोई शब्द बोलें; स्टूडेंट उसे लिस्ट में ढूँढकर पढ़े।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- समय बिल्कुल ठीक रखें: हर हरकत 1 गिनती, मद और खड़ी हरकतें 2 गिनती, लीन नरम और जल्दी।

प्रैक्टिस: हरकतें, खड़ी हरकतें, मद, लीन और तनवीन

اَيۡنَ	اِلٰفِ	اٰنِيَةٍ	اٰوٰى	اٰمَنَ
خَوۡفٍ	جُوۡعٍ	جِاْىٓءَ	جَآءَ	بِهٖ
شَآءَ	رَضُوۡا	ذٰلِكَ	دٗوٗدُ	خَيۡرٌ
طَيۡرًا	طَغَوۡا	طَغٰى	شَيۡءٍ	مٰلِكِ
قَالَ	فِيۡهِ	عَيۡنٌ	عَلٰى	عَادٍ
لَوۡحٍ	كَيۡفَ	كَيۡدًا	كَانَ	قَوۡلٌ
وَيۡلٌ	مَآءٍ	نَارًا	مَالًا	لَيۡسَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

तख़्ती 9 · 2/4

प्रैक्टिस: हरकतें, मद और लीन

مشقِ حرکات، مد و لین

तरीक़ा पढ़ने से पहले स्टूडेंट हर मद पर एक छोटा-सा डॉट लगाए; गिनतियाँ जाँचें।

प्रैक्टिस: हरकतें, खड़ी हरकतें, मद, लीन और तनवीन

जारी · جاری

دَافِقٍ	حَافِظٌ	حَاسِدٍ	يَرَهٗ	يَوْمِ
نَاصِرٍ	غَاسِقٍ	عَآئِلًا	عَابِدٌ	شَاهِدٍ

प्रैक्टिस: हरकतें, खड़ी हरकतें, मद, लीन और तनवीन

يَخَافُ	اَكِيْدُ	اَعُوْذُ	وَالِدٍ
حِسَابًا	تُرٰبًا	يُقَالُ	يَدٰهُ
شِدَادًا	سَلٰمٌ	سِرَاجًا	سُبَاتًا
عَذَابٌ	طَعَامٍ	صَوَابًا	شَرَابًا
كِرَامًا	كِتٰبًا	غُثَآءً	عَطَآءً

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 9 · 3/4

प्रैक्टिस: हरकतें, मद और लीन

مشقِ حرکات، مد و لین

तरीक़ा लंबे शब्दों को पेंसिल के हल्के निशान से हिस्सों में बाँटें, फिर उन्हें पूरा पढ़ें।

प्रैक्टिस: हरकतें, खड़ी हरकतें, मद, लीन और तनवीन

जारी · جاری

لِبَاسًا	لِسَانًا	مَآبًا	مَتَاعًا
مُطَاعٍ	مَعَاشًا	مَفَازًا	مِهٰدًا
نَبَاتًا	وِفَاقًا	ثُبُوْرًا	رَسُوْلٍ
شُهُوْدٌ	قُعُوْدٌ	وُجُوْهٌ	اَثِيْمٍ
اَلِيْمٍ	بَصِيْرًا	خَبِيْرًا	رَحِيْقٍ
شَهِيْدٌ	عَظِيْمٍ	قَرِيْبًا	كَرِيْمٍ
مَجِيْدٌ	مُحِيْطٌ	نَعِيْمٍ	يَتِيْمًا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

प्रैक्टिस: हरकतें, मद और लीन

مشقِ حرکات، مد و لین

प्रैक्टिस: हरकतें, खड़ी हरकतें, मद, लीन और तनवीन

जारी · جاری

عِيْشَةٍ	قُرَيْشٍ	رُوَيْدًا	يَسِيْرًا
يَوْمَئِذٍ	مَوَازِيْنُهٗ	مَوْضُوْعَةٌ	اَلْمَوْءٗدَةُ

दोहराई और प्रैक्टिस

خَيْرٌ	يَوْمِ	قِيْلَ	قَالَ	كِتٰبًا	كَتَبَ

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

رُوَيْدًا	قَوْلٌ	مٰلِكِ	عَآئِلًا
يُقَالُ	اٰوٰى	نَاصِرٍ	بَصِيْرًا

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

اِلْفِ	شَيْءٍ	مَاٰبًا	اٰنِيَةٍ

ख़ुद को जाँचें — पढ़ें, फिर एक गोले में रंग भरें

عَطَآءً	مَوَازِيْنُهٗ	كِرَامًا	مَفَازًا

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

Quran Plus School
ONLINE QUR'AN & SUBJECT ACADEMY

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ١٠

اَلسُّكُوْنُ

تختی نمبر ۱۰ — سکون یعنی جزم
सुकून (जज़्म)

वीडियो सुकून (जज़्म) और क़लक़ला

पढ़ाने का तरीक़ा
طریقۂ تدریس

1. जज़्म आवाज़ को बंद कर देता है: हर्फ़ पर कोई हरकत नहीं होती।
2. हिज्जे: "अलिफ़ ज़बर अ, बा जज़्म अब" — एक ही साँस में।
3. क़लक़ला के हुरूफ़ د ج ب ط ق में हल्की-सी उछाल होती है; बाक़ी हुरूफ़ ख़ामोशी से बंद होते हैं।
4. اَبْ (उछाल) और اَمْ (बिना उछाल) का फ़र्क़ दिखाएँ।

तजवीद के क़वाइद
قواعدِ تجوید

- जज़्म (सुकून) वाले हर्फ़ पर कोई हरकत नहीं होती; उसे पहले वाले हर्फ़ से एक ही साँस में मिलाएँ: اَبْ = "अब"।
- क़लक़ला के हुरूफ़ — 5: ق ط ب ج د (قُطْبُ جَدٍّ)। जज़्म के साथ इन्हें हल्की-सी उछाल/गूँज से पढ़ा जाता है, जो इन पर रुकते वक़्त सबसे साफ़ सुनाई देती है।
- जज़्म वाला हमज़ा हलक़ में एक साफ़ और अचानक रुकावट के साथ पढ़ा जाता है: اِقْرَاْ।
- जज़्म वाला हर्फ़ अपने से पहले वाले हर्फ़ के साथ एक बार मिलाकर पढ़ा जाता है। मिलती-जुलती आवाज़ वाले हुरूफ़ का ख़ास ध्यान रखें: ث س ص، ذ ز ض ظ، ت ط، ق ک।

हर हर्फ़ पर सुकून (जज़्म)

اَبْ	اِبْ	اُبْ	اَتْ	اِتْ	اُتْ
اَثْ	اِثْ	اُثْ	اَجْ	اِجْ	اُجْ
اَحْ	اِحْ	اُحْ	اَخْ	اِخْ	اُخْ
اَدْ	اِدْ	اُدْ	اَذْ	اِذْ	اُذْ
اَرْ	اِرْ	اُرْ	اَزْ	اِزْ	اُزْ
اَسْ	اِسْ	اُسْ	اَشْ	اِشْ	اُشْ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 10 · 2/3 — **सुकून (जज़्म)** — वीडियो — سکون یعنی جزم

तरीक़ा उछाल सिर्फ़ क़लक़ला के पाँच हुरूफ़ में दें; اَبْ (उछाल) और اَمْ (बिना उछाल) का मुक़ाबला करें।

हर हर्फ़ पर सुकून (जज़्म)

जारी · جاری

اُضْ	اِضْ	اَضْ	اُصْ	اِصْ	اَصْ
اُظْ	اِظْ	اَظْ	اُطْ	اِطْ	اَطْ
اُغْ	اِغْ	اَغْ	اُعْ	اِعْ	اَعْ
اُقْ	اِقْ	اَقْ	اُفْ	اِفْ	اَفْ
اُلْ	اِلْ	اَلْ	اُکْ	اِکْ	اَکْ
اُنْ	اِنْ	اَنْ	اُمْ	اِمْ	اَمْ
اُهْ	اِهْ	اَهْ	اُوْ	اِوْ	اَوْ
اُیْ	اِیْ	اَیْ	اُءْ	اِءْ	اَءْ

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

اُقْ	اَثْ	اُءْ	اِیْ	اُلْ	اُبْ	اُطْ	اِدْ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 10 · 3/3 | **सुकून (जज़्म)** | वीडियो | سکون یعنی جزم

क़लक़ला — उछाल वाले हुरूफ़ ق ط ب ج د

اَقْ	اَطْ	اَبْ	اَجْ	اَدْ	اِقْ
اِطْ	اِبْ	اِجْ	اِدْ	اُقْ	اُطْ

डिजिटल सबक़

تَمرِیْنُ السُّکُوْنِ — تختی نمبر ۱۱ — مشق سکون
प्रैक्टिस: जज़्म

تختی ۱۱

वीडियो नून साकिन और तनवीन

पढ़ाने का तरीक़ा
طریقۂ تدریس

1. हर शब्द को पेंसिल के हल्के निशान से हिस्सों में बाँटें: قُلْ · ہٗ · وَ।
2. एक-एक हिस्सा (सिलेबल) करके पढ़ें, फिर पूरा शब्द।
3. हर नून साकिन ढूँढें: हलक़ी हर्फ़ से पहले साफ़, बाक़ी हुरूफ़ से पहले छुपा हुआ (ग़ुन्ना)।
4. क़मरी (चाँद वाले) हुरूफ़ से पहले اَلْ को लाम के साथ पढ़ें: اَلْحَمْدُ।

तजवीद के क़वाइद
قواعدِ تجوید

- नून साकिन और तनवीन — इज़्हार: अगर इनके बाद कोई हलक़ी हर्फ़ (ء ہ ع ح غ خ) आए, तो नून को ग़ुन्ना के बिना साफ़ पढ़ें: اَنْعَمْتَ।
- इख़्फ़ा: अगर इनके बाद बाक़ी 15 हुरूफ़ (ت ث ج د ذ ز س ش ص ض ط ظ ف ق ک) में से कोई आए, तो नून को ग़ुन्ना के साथ नाक में छुपाएँ: اَنْزَلْنَا।
- क़मरी (चाँद वाले) हुरूफ़ से पहले اَلْ का लाम जज़्म के साथ पढ़ा जाता है: اَلْحَمْدُ, وَالْعَصْرِ।

प्रैक्टिस: सुकून

اَنْزَلْنَا	خَلَقْنَا	رَفَعْنَا	وَضَعْنَا
نُطْفَةٍ	عِبْرَةً	زَجْرَةٌ	تَذْكِرَةٌ ج
مُسْفِرَةٌ	مُؤْصَدَةٌ ○	مَسْغَبَةٍ	

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

प्रैक्टिस: जज़्म

वीडियो

مشقِ سکون

तरीक़ा हर लाइन शब्द-ब-शब्द पढ़ें, फिर पूरी लाइन; सिर्फ़ वहीं रुकें जहाँ ○ दिखे।

प्रैक्टिस: सुकून

जारी · جاری

مَقْرَبَةٍ	مَتْرَبَةٍ ج	تَضْلِيْلٍ	تَقْوِيْمٍ
تَكْذِيْبٍ	تَسْنِيْمٍ ○	مِسْكِيْنًا	
مَمْنُوْنٍ	مَحْفُوْظٍ	مَخْتُوْمٍ	مَسْرُوْرًا ط○
مَشْهُوْدٍ	اَبْوَابًا	مَصْفُوْفَةٍ	اَزْوَاجًا
اَشْتَاتًا	اِطْعٰمٌ	اَعْنَابًا	اَفْوَاجًا
اَلْفَافًا ○	قُرْاٰنٌ	اَلْحَمْدُ	وَالْفَجْرِ
وَالْفَتْحُ	وَالْعَصْرِ	مِنَ الْمُعْصِرٰتِ	
مَعَ الْعُسْرِ	مَا الْقَارِعَةُ ط○	وَاِذَا	
الْمَوْءٗدَةُ	يَنْظُرُ الْمَرْءُ	كَالْفَرَاشِ	

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

प्रैक्टिस: सुकून

जारी · جاری

اَلْمَبْثُوْثِ	كَالْعِهْنِ	اَلْمَنْفُوْشِ ۝ط	
لَيْلَةُ الْقَدْرِ	اَخْرَجَتِ الْاَرْضُ		
مِنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ	عِنْدَ ذِى		
اَلْعَرْشِ	يَمْنَعُوْنَ الْمَاعُوْنَ ۝	وَهُوَ	
اَلْغَفُوْرُ	اَلْوَدُوْدُ	ذُو الْعَرْشِ	اَلْمَجِيْدُ
لَقَدْ خَلَقْنَا	الْاِنْسَانَ	فِىْٓ اَحْسَنِ	
تَقْوِيْمٍ ۝ز	اَعْطَيْنٰكَ	اَلْكَوْثَرَ ۝ط	آٰلْئٰنَ

दोहराई और प्रैक्टिस

قُلْ	لَمْ	اَنْزَلْنَا	مَسْرُوْرًا	اَلْحَمْدُ

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

اَلْغَفُوْرُ	مَسْغَبَةٍ	آٰلْئٰنَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________________

डिजिटल सबक़

تختی ١٢ اَلتَّشْدِيْدُ تختی نمبر ١٢ — تشدید
तशदीद

वीडियो तशदीद और ग़ुन्ना

पढ़ाने का तरीक़ा — طریقۂ تدریس

1. तशदीद = हर्फ़ दो बार: पहले साकिन, फिर हरकत के साथ।
2. हिज्जे: "अलिफ़ ज़बर अ, बा तशदीद ज़बर अब-बा"।
3. हर्फ़ को ज़ोर से दबाकर पढ़ें; نّ और مّ पर दो गिनती तक नाक से गुनगुनाएँ।
4. लाइन में हर तशदीद पर "ठहराव" को ध्यान से सुनें।

तजवीद के क़वाइद — قواعدِ تجوید

- तशदीद हर्फ़ को दोहरा कर देती है: पहला हिस्सा साकिन होता है और पहले वाले हर्फ़ से मिलता है, दूसरे पर हरकत होती है: اَبَّ = अब-बा।
- तशदीद वाला हर्फ़ दो बार पढ़ा जाता है: एक बार पहले वाले हर्फ़ से मिलाकर, फिर अपनी हरकत के साथ — ज़ोर से, हल्के-से ठहराव के साथ।
- نّ और مّ हमेशा 2 गिनती के ग़ुन्ना के साथ पढ़े जाते हैं। तशदीद वाले क़लक़ला के हुरूफ़ को ज़ोर से दबाकर पढ़ें।

तशदीद

اِبِّ	اِبَّ	اَبُّ	اَبِّ	اَبَّ
اَبًّا	اُبُّ	اُبِّ	اُبَّ	اِبُّ
اِبٌّ	اِبٍّ	اِبًّا	اَبٌّ	اَبٍّ
اَتِّ	اَتَّ	اُبٌّ	اُبٍّ	اُبًّا
اُتَّ	اِتُّ	اِتِّ	اِتَّ	اَتُّ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

तरीक़ा तशदीद को मज़बूती से अदा करें; तालिब-ए-इल्म हर्फ़ को दो बार बोले: اَبَّ = अब-बा।

तशदीद

जारी · جاری

اَتٌّ	اَتٍّ	اَتًّا	اُتٌّ	اُتٍّ
اُتٍّ	اُتًّا	اِتٌّ	اِتٍّ	اِتًّا
اِثَّ	اَثٌّ	اَثِّ	اَثَّ	اُتٌّ
اُثٌّ	اُثِّ	اُثَّ	اِثٌّ	اِثِّ
اِثٍّ	اِثًّا	اَثٌّ	اَثٍّ	اَثًّا
اَجَّ	اُثٌّ	اُثٍّ	اُثًّا	اِثٌّ
اِجٌّ	اِجِّ	اِجَّ	اَجٌّ	اَجِّ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 12 · 3/3 | **तशदीद** | वीडियो | تشدید

तशदीद

जारी · جاری

اَجٍّ	اَجًّا	اُجُّ	اُجِّ	اُجَّ
اُجًّا	اِجُّ	اِجٍّ	اِجًّا	اَجُّ
		Continue the same way to the last letter اسی طرح آخر تک	اُجٌّ	اُجٍّ

تَمْرِيْنُ التَّشْدِيْد

تختی ١٣

تختی نمبر ١٣ — مشقِ تشدید

प्रैक्टिस: तशदीद

डिजिटल सबक़

पढ़ाने का तरीक़ा

طریقۂ تدریس

1. शब्दों को छाँटें: क़मरी लाम (पढ़ा जाता है) और शम्सी लाम (नहीं पढ़ा जाता, अगला हर्फ़ दोहरा)।
2. पहले हर तशदीद पर निशान लगाएँ; धीरे-धीरे पढ़ें, फिर रवाँ।
3. ज़बर और पेश के बाद (पुर) और ज़ेर के बाद (बारीक) اللّٰه की प्रैक्टिस करें।

तजवीद के क़वाइद

قواعدِ تجوید

- शम्सी (सूरज वाले) हुरूफ़ (ت ث د ذ ر ز س ش ص ض ط ظ ل ن) पर तशदीद आती है और اَلْ का लाम नहीं पढ़ा जाता: اَلشَّمْسُ। बाक़ी 14 क़मरी (चाँद वाले) हुरूफ़ हैं।
- नून और मीम मुशद्दद पर हमेशा ग़ुन्ना होता है। مّ, نّ और رّ पर रुकते वक़्त ख़ास ध्यान रखें — ज़्यादातर ग़लतियाँ वहीं होती हैं।
- اللّٰه के नाम का लाम ज़बर या पेश के बाद पुर होता है (قُلْ هُوَ اللّٰهُ) और ज़ेर के बाद बारीक (بِسْمِ اللّٰهِ)। बाक़ी हर लाम बारीक होता है।

प्रैक्टिस: तशदीद

قَدَّرَ	عَدَّدَ	صَدَّقَ	حُصِّلَ	بُرِّزَ
جَنَّةٍ	يَحُضُّ	يَظُنُّ	نَعَّمَ	كَذَّبَ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तख़्ती 13 · 2/3 | **प्रैक्टिस: तशदीद** | مشقِ تشدید

तरीक़ा पहले हर तशदीद ढूँढें; نّ और مّ पर ग़ुन्ना दो गिनती तक रोके रखें।

प्रैक्टिस: तशदीद — जारी · جاری

ذَرَّةٍ	قُوَّةٍ	كَرَّةٌ	سُعِّرَتْ	قَدَّمَتْ
كَذَّبَتْ	زُوِّجَتْ	سُجِّرَتْ	فُجِّرَتْ	
سُيِّرَتْ	عُطِّلَتْ	كُوِّرَتْ	تَطَّلِعُ	
تُحَدِّثُ	نُيَسِّرُ	ہُمُ الْبَیِّنَۃُ		
قَيِّمَةٌ	عَشِيَّةً	مُذَكِّرٌ	اَيَّانَ	
اِيَّاكَ	لِلّٰهِ	تَجَلّٰى	تَصَدّٰى	تَزَكّٰى
تَوَلّٰى	تَوَّابًا ○	ثَجَّاجًا	غَسَّاقًا	
فَعَّالٌ	كِذَّابًا	وَہَّاجًا	مُمَدَّدَةٍ ○	
مُكَرَّمَةٍ	مُطَهَّرَةٍ	وَالسَّمَآءِ		

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ____________

प्रैक्टिस: तशदीद

जारी · جاری

وَالنّٰزِعٰتِ	وَالنّٰشِطٰتِ	وَالتَّرَآئِبِ
فَالْمُدَبِّرٰتِ	فَالسّٰبِقٰتِ	وَالسّٰبِحٰتِ
فَمَهِّلِ الْكٰفِرِيْنَ		تُبْلَى السَّرَآئِرُ
الْجَوَارِ الْكُنَّسِ ۝		بِالْخُنَّسِ ۝
الْمُسْتَقِيْمَ ۝	الصِّرَاطَ	اِهْدِنَا

दोहराई और प्रैक्टिस

وَالشَّمْسِ	لِلّٰهِ	اِيَّاكَ	جَنَّةٍ	قَدَّرَ

मज़ीद प्रैक्टिस — मिली-जुली

حُصِّلَ	فَالسّٰبِقٰتِ	كَرَّةٌ
تَوَلّٰى	عُطِّلَتْ	عَشِيَّةً

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________

डिजिटल सबक़

تختی ۱۴ اَلتَّشْدِيْدُ مَعَ السُّكُوْنِ

تختی نمبر ۱۴ — مشق تشدید مع سکون
प्रैक्टिस: सुकून के साथ तशदीद

वीडियो नून साकिन और तनवीन

पढ़ाने का तरीक़ा طریقۂ تدریس

1. हर जुमले में साकिन हर्फ़ और तशदीद ढूँढें।
2. मिलना समझाएँ: ن و ل م ر ی से पहले नून साकिन अगले हर्फ़ में मिल जाता है (इदग़ाम)।
3. जुमला एक ही साँस में पढ़ें; ग़ुन्ना दो गिनती तक रोके रखें।
4. पेज पर दी गई मिसालों से मीम साकिन के नियम दिखाएँ।

तजवीद के क़वाइद قواعد تجوید

- इदग़ाम: अगर नून साकिन या तनवीन के बाद ن و ل م ر ی (يَرْمَلُوْنَ) आएँ, तो नून उनमें मिल जाता है — و م ن ی में ग़ुन्ना के साथ, ر ل में ग़ुन्ना के बिना: مِنْ رَّبِّهِمْ।
- मीम साकिन: م से पहले — ग़ुन्ना के साथ मिलाएँ; ب से पहले — ग़ुन्ना के साथ छुपाएँ; किसी और हर्फ़ से पहले — साफ़ पढ़ें।
- इक़लाब: अगर नून साकिन या तनवीन के बाद ب आए, तो नून ग़ुन्ना के साथ मीम में बदल जाता है: مِنْۢ بَعْدِ।

प्रैक्टिस: सुकून के साथ तशदीद

مَرُّوْا	رَبِّى	مُدَّتْ	حُقَّتْ	خَفَّتْ
تَبَّتْ	تَخَلَّتْ	قَدَّمَتْ	وَالصُّبْحِ	
وَالشَّمْسِ	وَالشَّفْعِ	بِالصَّبْرِ ○		
وَالصَّيْفِ	وَالَّيْلِ	وَالتِّيْنِ	وَالزَّيْتُوْنِ	
سِجِّيْلٍ	سِجِّيْنٍ	مُنْفَكِّيْنَ	فَاِنَّ	
اَلْجَنَّةَ	لِحُبِّ الْخَيْرِ	اِذَا السَّمَآءُ		

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

तख़्ती 14 · 2/2 | प्रैक्टिस: सुकून के साथ तशदीद | वीडियो | مشقِ تشدید مع سکون

प्रैक्टिस: सुकून के साथ तशदीद

जारी · جاری

انْشَقَّتْ	مَا الطَّارِقُ	النَّجْمُ الثَّاقِبُ ۙ
مِنْ شَرِّ	الْوَسْوَاسِ	الْخَنَّاسِ ۖ

١٥ تختی — تَشْدِيْدٌ بَعْدَ تَشْدِيْدٍ

تختی نمبر ١٥ — تشدید مع تشدید

तशदीद के बाद तशदीद

डिजिटल सबक़

वीडियो तशदीद और ग़ुन्ना

पढ़ाने का तरीक़ा طریقۂ تدریس

1. हर तशदीद पर एक ताली बजाएँ।
2. हिस्सा-हिस्सा करके पढ़ें, फिर पूरा शब्द।
3. दोनों तशदीदों पर बराबर ज़ोर दें; مّ نّ पर ग़ुन्ना करें।

तजवीद के क़वाइद قواعدِ تجوید

- हर दोहरे हर्फ़ को, एक के बाद एक, उसका पूरा वज़न दें; نّ और مّ पर ग़ुन्ना 2 गिनती तक रखें।

तशदीद के बाद तशदीद

يَزَّكّٰى	يَذَّكَّرُ	الْمُدَّثِّرُ	الْمُزَّمِّلُ
عِلِّيِّيْنَ ۭ	عِلِّيُّوْنَ ۭ	اِنَّ الَّذِيْنَ	
اِلَّا الَّذِيْنَ	مِنْ شَرِّ	النَّفّٰثٰتِ	
فَعَّالٌ	لِّمَا يُرِيْدُ ۭ		

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School
quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

तख़्ती 15 · 2/2 **तशदीद के बाद तशदीद** वीडियो تشدید مع تشدید

दोहराई और प्रैक्टिस

اَلْمُزَّمِّلُ	اِنَّ الَّذِيْنَ	عِلِّيِّيْنَ	فَعَّالٌ

اَلتَّشْدِيْدُ بَعْدَ حُرُوْفِ الْمَدِّ

تختی ١٦

تختی نمبر ١٦ — تشدید بعد حروفِ مدہ

मद के हुरूफ़ के बाद तशदीद

डिजिटल सबक़

वीडियो मद कितना लंबा होता है?

पढ़ाने का तरीक़ा طریقۂ تدریس

1. उँगलियों पर गिनें: मद्दे तबई 2, ~ और हमज़ा के साथ 4–5, तशदीद या जज़्म से पहले 6।
2. ~ का निशान दिखाएँ — यह बताता है कि मद लंबा है।
3. हर जुमला दो बार पढ़ें: एक बार गिनते हुए, एक बार रवानी से।

तजवीद के क़वाइद قواعد تجوید

- मद्दे मुत्तसिल: उसी शब्द में मद के हर्फ़ के बाद हमज़ा — 4 से 5 गिनती: جَآءَ।
- मद्दे लाज़िम: मद के हर्फ़ के बाद तशदीद या जज़्म — पूरी 6 गिनती: اَلضَّآلِّيْنَ।
- मद्दे मुनफ़सिल: अगले शब्द के शुरू में हमज़ा — 4 से 5 गिनती: بِمَآ اُنْزِلَ।
- मद्दे आरिज़: जब आप किसी शब्द पर रुकें, तो आख़िरी हर्फ़ से पहले वाला मद 2, 4 या 6 गिनती का हो सकता है: الرَّحِيْمْ। रुकते वक़्त लीन के साथ भी यही होता है: خَوْفْ।

हिज्जे · ہجے

इस तरह के शब्द के हिज्जे के दो तरीक़े:

1) ज़्वाद अलिफ़ मद ज़बर ज़ा, लाम मुशद्दद ज़ाल, लाम दो-ज़बर लन: ज़ाSSल-लन।

2) ज़्वाद अलिफ़ लाम मद ज़बर ज़ाल, लाम दो-ज़बर लन: ज़ाSSल-लन।

मद के हुरूफ़ के बाद तशदीद

ضَآلًّا	دَآبَّةٍ	حَآجَّكَ	حَآجُّوْكَ
لَضَآلُّوْنَ	وَلَا الضَّآلِّيْنَ	اَتُحَآجُّوْٓنِّىْ	
وَلَا تَحَٓضُّوْنَ	وَالصّٰٓفّٰتِ	جَآءَتِ	

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

तख़्ती 16 · 2/2 **मद के हुरूफ़ के बाद तशदीद** वीडियो تشدید بعد حروفِ مدہ

मद के हुरूफ़ के बाद तशदीद

जारी · جاری

الصَّآخَّةُ ۝ فَإِذَا جَآءَتِ الطَّآمَّةُ

الْكُبْرٰى ۝

الْخَاتِمَةُ — خاتمہ — خاتمہ: اجرائے قواعد
आख़िरी हिस्सा: नियमों पर अमल

خاتمہ ١٧

डिजिटल सबक़

वीडियो सही तरह रुकना (वक़्फ़)

पढ़ाने का तरीक़ा طریقۂ تدریس

1. सुनें — एक आयत धीरे-धीरे पढ़ें; स्टूडेंट उँगली रखकर साथ-साथ चले।
2. दोहराएँ — स्टूडेंट दोहराए; एक बार में एक ही नियम ठीक कराएँ।
3. पढ़ें — स्टूडेंट आयत अकेले पढ़े और उसके आख़िर में सही तरह रुके।
4. सूरह पूरी करें, उसकी पूरी तिलावत कराएँ और एक स्टार दें।

तजवीद के क़वाइद قواعدِ تجوید

- रुकना (वक़्फ़): आवाज़ और साँस आख़िरी हर्फ़ पर ख़त्म करें और उसे साकिन कर दें; दो ज़बर लंबा "आ" बन जाते हैं; ة को साकिन ه पढ़ा जाता है।
- ر ज़बर या पेश के साथ पुर होता है, या जब ज़बर या पेश के बाद साकिन हो; ज़ेर के साथ बारीक होता है, या जब असली ज़ेर के बाद साकिन हो और उसी शब्द में उसके बाद कोई पुर हर्फ़ न हो।

इजरा-ए-क़वाइद — ख़ातिमा में नियमों पर अमल خاتمہ: اجرائے قواعد

1. इदग़ाम: अगर नून साकिन या तनवीन के बाद अगले शब्द में يرملون का कोई हर्फ़ आए, तो उसमें मिला दिया जाता है — ل और ر में ग़ुन्ना के बिना, बाक़ी चार में ग़ुन्ना के साथ। बच्चे अक्सर तशदीद से पहले वाला जज़्म का हर्फ़ छोड़ देते हैं: مِنْ رَّبِّكَ।
2. नून क़ुतनी: अगर तनवीन के बाद हमज़तुल-वस्ल आए, तो ज़ेर वाला एक छोटा नून तनवीन को अगले हर्फ़ से मिलाता है: لُّمَزَةِ ۨالَّذِى।
3. इक़लाब: ب से पहले नून साकिन या तनवीन मीम बन जाता है: مِنْۢ بَعْدِ، لَنَسْفَعًۢا بِالنَّاصِيَةِ।
4. ب या م से पहले मीम साकिन ग़ुन्ना के साथ पढ़ा जाता है: لَهُمْ مَّا।
5. اللّٰه का लाम ज़ेर के बाद बारीक (بِسْمِ اللّٰهِ) और ज़बर या पेश के बाद पुर होता है (مِنَ اللّٰهِ، نَارُ اللّٰهِ)।
6. नोट: दो ज़बर के बाद लिखा अलिफ़ (मिलाकर पढ़ते वक़्त) नहीं पढ़ा जाता।

रवानी से पढ़ना — पूरी लाइन बिना रुके पढ़ें

بِالنَّاصِيَةِ	لَكُمْ دِيْنُكُمْ	كِرَامٍۭ بَرَرَةٍ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

तरीक़ा हर लाइन से पहले तालिब-ए-इल्म जो नियम देखे, उसका नाम बताए: इदग़ाम, इक़लाब, ग़ुन्ना या मद।

नियमों पर अमल — पढ़ने की मश्क़

جَزَآءً　　الْمَلٰٓئِكَةُ　　اِنَّآ اَعْطَيْنَا　　اِلَيْنَآ

اِيَابَهُمْ ۙ　　خَيْرًا يَّرَهٗ ۘ　　شَرًّا يَّرَهٗ ۝

مِيْقَاتًا　　يَّوْمَ　　فَمَنْ يَّعْمَلْ　　يَوْمَئِذٍ

يَّصْدُرُ النَّاسُ　　مِنْ رَّبِّكَ　　رَسُوْلٌ

مِّنَ اللّٰهِ　　صُحُفًا مُّطَهَّرَةً　　صَفًّا ۘ　　لَّا

يَتَكَلَّمُوْنَ　　قُلُوْبٌ يَّوْمَئِذٍ　　وَّاجِفَةٌ

اَبْصَارُهَا　　سِرَاجًا وَّهَّاجًا ۙ　　وَّاَنْزَلْنَا

اَكْلًا لَّمًّا ۙ　　وَّتُحِبُّوْنَ الْمَالَ　　حُبًّا

☆ टीचर के साथ पढ़ा　☆ घर पर प्रैक्टिस की　☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964　Book a FREE trial class

नियमों पर अमल — पढ़ने की मश्क़

जारी · جاری

جَمًّا ۝ط	غُثَآءً اَحْوٰى ۝ط	مُعْتَدٍ اَثِيْمٍ
اِذَا تُتْلٰى	نَارًا حَامِيَةً ۝لا	تُسْقٰى مِنْ
عَيْنٍ اٰنِيَةٍ ۝ط	مَنْ بَخِلَ	لَيُنْۢبَذَنَّ
مِنْۢ بَعْدِ	مِنْۢ بَيْنِ الصُّلْبِ	لَنَسْفَعًۢا
بِالنَّاصِيَةِ	بِذَنْۢبِهِمْ	مُّطَهَّرَةً ۝لا
بِاَيْدِىْ سَفَرَةٍ	كِرَامٍۭ بَرَرَةٍ ۝ط	هُمْ

فِيْهَا	لَكُمْ دِيْنُكُمْ	وَلِىَ دِيْنِ ۝	اِنَّ

رَبَّهُمْ بِهِمْ	تَرْمِيْهِمْ	بِحِجَارَةٍ

لَهُمْ مَّا	يَشَآءُوْنَ	مِمَّ	اَللّٰهُمَّ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 | Book a FREE trial class

नाम: ____________________

ख़ातिमा · 4/6

आख़िरी हिस्सा: नियमों पर अमल

वीडियो

خاتمہ: اجرائے قواعد

तरीक़ा हर आयत की तिलावत करें, स्टूडेंट दोहराए; फिर स्टूडेंट पूरी सूरह अकेले पढ़े।

वक़्फ़ के निशान — कहाँ रुकें

निशान	अर्थ
○	वक़्फ़ ताम — पूरा रुकना
م	वक़्फ़ लाज़िम — ज़रूर रुकें
ط	वक़्फ़ मुतलक़ — रुकें
ج	वक़्फ़ जाइज़ — रुक सकते हैं
ز	मुजव्वज़ — मिलाकर पढ़ना बेहतर
ص	मुरख़्ख़स — मिलाकर पढ़ें
صلے	मिलाकर पढ़ना बेहतर
ق	क़ीला — मिलाकर पढ़ें
س / سکتہ	सक्ता — ठहरें, साँस न तोड़ें
وقفہ	थोड़ा लंबा ठहराव
لا	यहाँ न रुकें; मजबूरी में रुकना पड़े तो पीछे से दोबारा पढ़ें

सूरह अल-फ़ातिहा

سُوۡرَةُ اَلۡفَاتِحَة

بِسۡمِ اللّٰهِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِيۡمِ ﴿۱﴾ اَلۡحَمۡدُ لِلّٰهِ رَبِّ
الۡعٰلَمِيۡنَ ﴿۲﴾ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِيۡمِ ﴿۳﴾ مٰلِكِ يَوۡمِ الدِّيۡنِ ﴿۴﴾
اِيَّاكَ نَعۡبُدُ وَاِيَّاكَ نَسۡتَعِيۡنُ ﴿۵﴾ اِهۡدِنَا الصِّرَاطَ
الۡمُسۡتَقِيۡمَ ﴿۶﴾ صِرَاطَ الَّذِيۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَيۡهِمۡ غَيۡرِ
الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَيۡهِمۡ وَلَا الضَّآلِّيۡنَ ﴿۷﴾

ख़ुद को जाँचें — पढ़ें, फिर एक गोले में रंग भरें ○ ○ ○

اَكَلَّا لَمَّا	مِنۡ بَعۡدِ	اِذَا تُتۡلٰى

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

بِسْمِ اللّٰہِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

सूरह अल-इख़लास
سُوْرَةُ الْاِخْلَاص

قُلْ ہُوَ اللّٰہُ اَحَدٌ ﴿۱﴾ اَللّٰہُ الصَّمَدُ ﴿۲﴾ لَمْ یَلِدْ وَلَمْ یُوْلَدْ ﴿۳﴾
وَلَمْ یَکُنْ لَّہٗ کُفُوًا اَحَدٌ ﴿۴﴾

सूरह अल-फ़लक़
سُوْرَةُ الْفَلَق

قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ﴿۱﴾ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ ﴿۲﴾ وَمِنْ شَرِّ
غَاسِقٍ اِذَا وَقَبَ ﴿۳﴾ وَمِنْ شَرِّ النَّفّٰثٰتِ فِی الْعُقَدِ ﴿۴﴾ وَمِنْ
شَرِّ حَاسِدٍ اِذَا حَسَدَ ﴿۵﴾

सूरह अन-नास
سُوْرَةُ النَّاس

قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ النَّاسِ ﴿۱﴾ مَلِکِ النَّاسِ ﴿۲﴾ اِلٰہِ النَّاسِ ﴿۳﴾
مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ الْخَنَّاسِ ﴿۴﴾ الَّذِیْ یُوَسْوِسُ فِیْ
صُدُوْرِ النَّاسِ ﴿۵﴾ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ﴿۶﴾

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 | Book a FREE trial class

नाम: ____________________

आख़िरी हिस्सा: नियमों पर अमल

वीडियो

خاتمہ: اجرائے قواعد

तरीक़ा इन शब्दों को वैसे पढ़ें जैसे "ऐसे पढ़ें" कॉलम में दिखाया गया है, वैसे नहीं जैसे लिखे हैं।

कुरआन के वो शब्द जो लिखे एक तरह जाते हैं और पढ़े दूसरी तरह

नं.	लिखावट لکھنے کی صورت	ऐसे पढ़ें پڑھنے کی صورت	कहाँ نام سورت مع آیت نمبر
1	اَنَا	اَنَ	जहाँ भी आए (किसी दूसरे शब्द के हिस्से के तौर पर नहीं) جس جگہ ہو (بشرطیکہ دوسرے کلمہ کا جزو نہ ہو)
2	يَبْصُۜطُ	يَبْسُطُ	अल-बक़रह 245 البقرة ٢٤٥
3	اَفَائِنْ	اَفَئِنْ	आल-ए-इमरान 144, अल-अंबिया 34 آل عمران ١٤٤، الانبياء ٣٤
4	لَاۡاِلَى اللّٰهِ	لَاِلَى اللّٰهِ	आल-ए-इमरान 158 آل عمران ١٥٨
5	تَبُوْٓاَ	تَبُوْءَ	अल-माइदह 29 المآئدة ٢٩
6	بَصْۜطَةً	بَسْطَةً	अल-आराफ़ 69 الاعراف ٦٩
7	مَلَاۡئِهٖ	مَلَئِهٖ	अल-आराफ़ 103 और 5 दूसरी जगहें الاعراف ١٠٣ اور دوسری (٥) جگہ
8	لَا اَوْضَعُوْا	لَاَوْضَعُوْا	अत-तौबह 47 التوبة ٤٧
9	ثَمُوْدَا	ثَمُوْدَ	हूद 68, अल-फ़ुरक़ान 38, अल-अनकबूत 38, अन-नज्म 51 هود ٦٨، الفرقان ٣٨، العنكبوت ٣٨، النجم ٥١
10	لِيَرْبُوَا	لِيَرْبُوَ	अर-रूम 39 الروم ٣٩
11	لِتَتْلُوَا	لِتَتْلُوَ	अर-रअद 30 الرعد ٣٠
12	لَنْ نَّدْعُوَا	لَنْ نَّدْعُوَ	अल-कहफ़ 14 الكهف ١٤
13	لِشَاىْءٍ	لِشَىْءٍ	अल-कहफ़ 23 الكهف ٢٣
14	لٰكِنَّا	لٰكِنَّ	अल-कहफ़ 38 الكهف ٣٨
15	لَا اَذْبَحَنَّهٗ	لَاَذْبَحَنَّهٗ	अन-नम्ल 21 النمل ٢١
16	لَاۡاِلَى الْجَحِيْمِ	لَاِلَى الْجَحِيْمِ	अस-साफ़्फ़ात 68 الصّٰفّٰت ٦٨
17	لِيَبْلُوَا	لِيَبْلُوَ	मुहम्मद 4 محمد ٤
18	نَبْلُوَا	نَبْلُوَ	मुहम्मद 31 محمد ٣١
19	لَا اَنْتُمْ	لَاَنْتُمْ	अल-हश्र 13 الحشر ١٣
20	سَلٰسِلَا	سَلٰسِلَ	अद-दहर 4 الدهر ٤
21	قَوَارِيْرَا	قَوَارِيْرَ	अद-दहर 15, 16 الدهر ١٥، ١٦
22	مَلَاۡئِهِمْ	مَلَئِهِمْ	यूनुस 83 يونس ٨٣

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964 Book a FREE trial class

नाम: ______________________

तजवीद के तमाम क़वाइद — पेज नंबर के साथ

تجوید کے تمام قواعد — صفحہ نمبر کے ساتھ

हरा बॉक्स = वह पन्ना जहाँ नियम सिखाया जाता है और उसकी मश्क़ होती है। सुनहरा बॉक्स (नाज़रा) = यह आपको क़ुरआन पढ़ते वक़्त मिलेगा।

हुरूफ़ और वे कहाँ से निकलते हैं — حروف اور مخارج

#	हिंदी	اردو	حروف	पेज / صفحہ
1	**मख़ारिज — पाँच जगहें:** हर हर्फ़ पाँच में से किसी एक जगह से निकलता है: मुँह और हलक़ का ख़ाली हिस्सा (मद के हुरूफ़), हलक़, ज़बान, होंठ और नाक (ग़ुन्ना)।	**مخارج — پانچ جگہیں:** ہر حرف پانچ میں سے کسی ایک جگہ سے نکلتا ہے: منہ اور حلق کا خلا (حروفِ مدہ)، حلق، زبان، ہونٹ اور ناک (غُنّہ)۔	ا و ی	पेज 3 صفحہ ۳
2	**हल्क़ी हुरूफ़ (हलक़ के हुरूफ़) — 6:** हमज़ा और हा हलक़ के सबसे गहरे हिस्से से, ऐन और हा बीच से, ग़ैन और ख़ा ऊपर से।	**حروفِ حلقی — چھ:** ء ہ حلق کے آخری حصے سے، ع ح درمیان سے، غ خ حلق کے شروع سے۔	ء ہ ع ح غ خ	पेज 3, 4 صفحہ ۳، ۴
3	**पुर हुरूफ़ (मुस्तअलिया) — 7:** इन्हें हमेशा भरे हुए, मोटे मुँह से (तफ़ख़ीम) पढ़ें, हरकत चाहे कोई भी हो।	**حروفِ مستعلیہ — سات:** ہر حرکت کے ساتھ منہ بھر کر موٹی آواز سے پڑھے جاتے ہیں (تفخیم)۔	خُصَّ ضَغْطٍ قِظْ	पेज 3, 4, 10 صفحہ ۳، ۴، ۱۰
4	**बारीक हुरूफ़ (मुस्तफ़िला):** बाक़ी सब हुरूफ़ बारीक (तरक़ीक़) पढ़े जाते हैं। सिर्फ़ रा और अल्लाह के नाम का लाम कभी पुर और कभी बारीक होते हैं।	**حروفِ مستفلہ:** باقی تمام حروف باریک (ترقیق) پڑھے جاتے ہیں۔ صرف ر اور لفظ اللہ کا لام پُر اور باریک دونوں ہوتے ہیں۔	ب ت س ک	पेज 4 صفحہ ۴
5	**होंठों के और सीटी वाले हुरूफ़:** होंठों के हुरूफ़ (शफ़वी): बा, फ़ा, मीम, वाव। सीटी वाले हुरूफ़ (सफ़ीर): स्वाद, ज़ा, सीन — इन्हें हल्की-सी सीटी के साथ पढ़ें।	**شفوی اور صفیری حروف:** شفوی حروف: ب ف م و۔ صفیری حروف: ص ز س — ان میں ہلکی سیٹی کی آواز ہوتی ہے۔	ب ف م و · ص ز س	पेज 3 صفحہ ۳
6	**मिलती-जुलती आवाज़ें — इन्हें अलग-अलग रखें:** हर एक का अपना मख़रज है: सा / सीन / स्वाद · ज़ाल / ज़ा / ज़्वाद / ज़ोए · ह़ा / हा · ऐन / हमज़ा · क़ाफ़ / काफ़ · ता / तोए।	**ملتی جلتی آوازیں:** ہر ایک کا الگ مخرج ہے: ث س ص · ذ ز ض ظ · ح ہ · ع ء · ق ک · ت ط۔	ث س ص	पेज 3, 4 صفحہ ۳، ۴
7	**अलिफ़ और हमज़ा:** अलिफ़ पर कभी हरकत नहीं आती; वह सिर्फ़ आवाज़ को लंबा करता है (قَالَ)। अलिफ़ जैसी शक्ल का जो हर्फ़ ज़बर, ज़ेर, पेश या जज़्म लिए हो, वह हमज़ा है: उसे हलक़ में साफ़ रुकावट के साथ पढ़ें।	**الف اور ہمزہ:** الف پر کبھی حرکت نہیں ہوتی، یہ صرف آواز لمبی کرتا ہے (قَالَ)۔ جس الف پر زبر، زیر، پیش یا جزم ہو وہ ہمزہ ہے؛ اسے حلق سے صاف ادا کریں۔	اَ اِ اُ · قَالَ	पेज 4, 10 صفحہ ۴، ۱۰
8	**हुरूफ़ को जोड़ना:** हुरूफ़ अपने "सिर" से जुड़ते हैं; उन्हें उनके नुक़्तों से पहचानें। छह हुरूफ़ अगले हर्फ़ से कभी नहीं जुड़ते: अलिफ़, दाल, ज़ाल, रा, ज़ा, वाव।	**حروف کا ملنا:** حروف اپنے «سر» سے ملتے ہیں؛ انہیں نقطوں سے پہچانیں۔ چھ حروف اگلے حرف سے کبھی نہیں ملتے: ا د ذ ر ز و۔	بـ تـ ثـ	पेज 6 صفحہ ٦
9	**हुरूफ़-ए-मुक़त्तआत:** ये अपने नामों से पढ़े जाते हैं। मद के निशान वाले तीन हुरूफ़ के नाम = 6 गिनती (मद्दे लाज़िम हर्फ़ी); दो हुरूफ़ वाले नाम (हा, या, ता, हा, रा) = 2 गिनती; काफ़-हा-या-ऐन-साद और ऐन-सीन-क़ाफ़ में ऐन = 4 या 6।	**حروفِ مقطعات:** نام سے پڑھیں۔ ~ والے تین حرفی نام 6 حرکت (مدِ لازم حرفی)؛ حا یا طا ہا را 2؛ کٓھیٰعٓصٓ اور عٓسٓقٓ کا ع 4 یا 6۔	الٓمٓ · يٰسٓ	पेज 9 صفحہ ۹

हरकतें, तनवीन और खड़ी हरकतें — حرکات، تنوین اور کھڑی حرکات

#	हिंदी	اردو	حروف	पेज / صفحہ
10	**ज़बर, ज़ेर, पेश:** ज़बर: मुँह खुला ("अ"); ज़ेर: जबड़ा नीचे ("इ"); पेश: होंठ गोल ("उ")। हर एक छोटी, एक गिनती की होती है — कभी "ए" या "ओ" नहीं।	**زبر، زیر، پیش:** زبر: منہ کھلا («اَ»)؛ زیر: جبڑا نیچے («اِ»)؛ پیش: ہونٹ گول («اُ»)۔ ہر ایک ایک مختصر حرکت — «اے» یا «او» نہیں۔	بَ بِ بُ	पेज 10, 12 صفحہ ۱۰، ۱۲
11	**तनवीन:** दो ज़बर, दो ज़ेर, दो पेश = शब्द के आख़िर में छुपा हुआ नून साकिन: "अन", "इन", "उन"।	**تنوین:** دو زبر، دو زیر، دو پیش = لفظ کے آخر میں چھپا ہوا نونِ ساکن: «اَن»، «اِن»، «اُن»۔	بًا بٍ بٌ	पेज 13, 15 صفحہ ۱۳، ۱۵
12	**दो ज़बर का अलिफ़:** दो ज़बर के बाद लिखा अलिफ़ (या ى) मिलाकर पढ़ते वक़्त नहीं पढ़ा जाता; वहाँ रुकें तो लंबा "आ" पढ़ें। ةً पर रुकें तो वह साकिन ه बन जाता है।	**دو زبر کا الف:** دو زبر کے بعد لکھا ہوا الف (یا ی) ملا کر پڑھتے وقت نہیں پڑھا جاتا؛ وہاں رکیں تو لمبا «آ» پڑھیں۔ ةً پر وقف ساکن ہ سے ہوتا ہے۔	اَبَدًا · هُدًى	पेज 13, 41 صفحہ ۱۳، ۴۱
13	**खड़ा ज़बर, खड़ी ज़ेर, उल्टा पेश:** ये लंबे पढ़े जाते हैं — 2 गिनती, एक अलिफ़ के बराबर।	**کھڑا زبر، کھڑی زیر، اُلٹا پیش:** یہ لمبے پڑھے جاتے ہیں — دو حرکت، یعنی ایک الف کے برابر۔	بٰ بٖ بٗ	पेज 18, 19 صفحہ ۱۸، ۱۹
14	**ज़मीर की हा (हा-ए-ज़मीर):** ज़मीर हु / हि दो हरकत वाले हुरूफ़ के बीच लंबा और साकिन हर्फ़ से पहले छोटा पढ़ा जाता है। हफ़्स में फ़ीही मुहाना (अल-फ़ुरक़ान 69) लंबा है और यरज़हु लकुम (अज़-ज़ुमर 7) छोटा है।	**ہائے ضمیر:** ہٗ/ہٖ دو متحرک حروف کے درمیان لمبی (لَہٗ مَا)؛ اگلا حرف ساکن ہو تو چھوٹی (لَہُ الْمُلْکُ)۔ حفص میں فِیْہٖ مُہَانًا لمبی، یَرْضَہُ لَکُمْ چھوٹی۔	لَهٗ · بِهٖ	पेज 18, 24 صفحہ ۱۸، ۲۴

मद और लीन — مد اور لین

#	हिंदी	اردو	حروف	पेज / صفحہ
15	**मद के हुरूफ़ और मद्दे तबई:** ज़बर के बाद अलिफ़, पेश के बाद वाव साकिन, ज़ेर के बाद या साकिन (ى و ا)। क़ुदरती मद (मद्दे तबई) = 2 गिनती।	**حروفِ مدہ اور مدِ طبعی:** زبر کے بعد الف، پیش کے بعد ساکن واؤ، زیر کے بعد ساکن ی۔ مدِ طبعی = دو حرکت۔	بَا بُوْ بِيْ	पेज 20, 23, 24 صفحہ ۲۰، ۲۳، ۲۴

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तजवीद के तमाम क़वाइद — تجوید کے تمام قواعد

क़वाइद · 2/4

#	हिंदी	اردو	मिसाल	पेज
16	**लीन के हुरूफ़:** ज़बर के बाद वाव साकिन और या साकिन (وْ يْ): मिलाकर पढ़ते वक़्त नरमी से, बिना खींचे पढ़ें।	**حروفِ لین:** زبر کے بعد ساکن واؤ یا ساکن ی: ملا کر پڑھتے ہوئے نرمی سے، بغیر کھینچے پڑھیں۔	بَوْ بَيْ	पेज 20, 23 / صفحہ ۲۰، ۲۳
17	**मद्दे मुत्तसिल (वाजिब):** एक ही शब्द में मद का हर्फ़ और हमज़ा: 4 या 5 गिनती।	**مدِ متصل (واجب):** حرفِ مد کے بعد اسی لفظ میں ہمزہ: 4 یا 5 حرکت۔	جَآءَ • السَّمَآءِ	पेज 24, 40 / صفحہ ۲۴، ۴۰
18	**मद्दे मुनफ़सिल (जाइज़):** शब्द के आख़िर में मद का हर्फ़ और अगले शब्द के शुरू में हमज़ा: 4 या 5 गिनती।	**مدِ منفصل (جائز):** حرفِ مد ایک لفظ کے آخر میں اور ہمزہ اگلے لفظ کے شروع میں: 4 یا 5 حرکت۔	اِنَّآ اَعْطَيْنٰكَ	पेज 42 / صفحہ ۴۲
19	**मद्दे लाज़िम (तशदीद के साथ):** एक ही शब्द में मद के हर्फ़ के बाद तशदीद: 6 गिनती।	**مدِ لازم (تشدید کے ساتھ):** حرفِ مد کے بعد اسی لفظ میں تشدید: 6 حرکت۔	الضَّآلِّيْنَ • دَآبَّةٍ	पेज 40 / صفحہ ۴۰
20	**मद्दे लाज़िम (सुकून के साथ):** मद के हर्फ़ के बाद असली सुकून: 6 गिनती — آٰلْـٰٔنَ (यूनुस 51 और 91)।	**مدِ لازم (سکون کے ساتھ):** حرفِ مد کے بعد اصلی سکون: 6 حرکت — آٰلْـٰٔنَ (یونس 51 اور 91)۔	آٰلْـٰٔنَ	पेज 32 / صفحہ ۳۲
21	**मद्दे आरिज़ (रुकते वक़्त):** जब आप ऐसे शब्द पर रुकें जिसमें आख़िरी हर्फ़ से पहले मद हो: 2, 4 या 6 गिनती। रुकते वक़्त लीन के साथ भी यही होता है।	**مدِ عارض:** جس لفظ پر وقف کریں اور آخری حرف سے پہلے مد ہو: 2، 4 یا 6 حرکت۔ وقف میں لین کا بھی یہی حکم ہے۔	نَسْتَعِيْنُ • خَوْفٌ	पेज 40, 44 / صفحہ ۴۰، ۴۴
22	**मद्दे बदल:** मद के हर्फ़ से पहले हमज़ा: सिर्फ़ 2 गिनती।	**مدِ بدل:** حرفِ مد سے پہلے ہمزہ: صرف دو حرکت۔	اٰمَنَ • اُوْتِيَ	पेज 24 / صفحہ ۲۴
23	**मद का निशान (ٓ):** लहरदार निशान बताता है कि मद 2 गिनती से लंबा है (मुत्तसिल, मुनफ़सिल या लाज़िम)।	**مد کی علامت ٓ:** یہ لہر والی علامت بتاتی ہے کہ مد دو حرکت سے لمبا ہے (متصل، منفصل یا لازم)۔	جَآءَ	पेज 24, 40 / صفحہ ۲۴، ۴۰

सुकून, क़लक़ला और हमज़ा — سکون، قلقلہ اور ہمزہ

#	हिंदी	اردو	मिसाल	पेज
24	**सुकून (जज़्म):** साकिन हर्फ़ पहले वाले हर्फ़ से एक ही साँस में मिलाया जाता है; उस पर कभी कोई हरकत न लगाएँ।	**سکون (جزم):** ساکن حرف اپنے سے پہلے حرف کے ساتھ ایک سانس میں ملایا جاتا ہے؛ اس پر کوئی حرکت نہ بڑھائیں۔	اَبْ • قُلْ	पेज 28, 30 / صفحہ ۲۸، ۳۰
25	**क़लक़ला — 5 हुरूफ़:** क़ाफ़, तोए, बा, जीम, दाल (क़ुत्बु जद्द) साकिन हों तो उछलते हैं: शब्द के बीच में हल्का, और उन पर रुकें तो सबसे ज़्यादा।	**قلقلہ — پانچ حروف:** ق ط ب ج د (قُطْبُ جَدٍّ) ساکن ہوں تو ان میں جنبش ہوتی ہے: درمیان میں ہلکی، وقف پر سب سے زیادہ۔	اَقْ اَطْ اَبْ	पेज 28, 30 / صفحہ ۲۸، ۳۰
26	**हमज़ा साकिन:** इसे हलक़ में साफ़ और अचानक रुकावट के साथ पढ़ें; इसे न छोड़ें, न मद बनाएँ।	**ساکن ہمزہ:** اسے حلق میں صاف اور اچانک رکاوٹ سے پڑھیں؛ اسے گرائیں نہیں اور مد نہ بنائیں۔	مُؤْصَدَةٌ • اِقْرَاْ	पेज 30 / صفحہ ۳۰
27	**हमज़तुल-क़त्अ:** यह हमज़ा हमेशा पढ़ा जाता है, शब्द के शुरू में हो या बीच में।	**ہمزۂ قطعی:** یہ ہمزہ لفظ کے شروع یا درمیان میں ہمیشہ پڑھا جاتا ہے۔	اَنْزَلْنَا • اِنَّ	पेज 30, 38 / صفحہ ۳۰، ۳۸
28	**हमज़तुल-वस्ल:** यह सिर्फ़ तब पढ़ा जाता है जब इससे शुरू करें; पहले वाले शब्द से मिलाने पर ख़ामोश रहता है (وَالْفَجْرِ)। اَلْ को ज़बर से, اِهْدِنَا को ज़ेर से शुरू करें, और जब तीसरे हर्फ़ पर पेश हो तो पेश से (اُدْعُوْا)।	**ہمزۂ وصلی:** صرف ابتدا میں پڑھا جاتا ہے؛ پچھلے لفظ سے ملائیں تو خاموش (وَالْفَجْرِ)۔ ابتدا میں اَلْ پر زبر، اِهْدِنَا پر زیر، تیسرے حرف پر پیش ہو تو پیش (اُدْعُوْا)۔	وَالْعَصْرِ • اِهْدِنَا	पेज 31, 37 / صفحہ ۳۱، ۳۷
29	**दो हमज़े एक साथ:** दोनों साफ़ पढ़े जाते हैं (ءَاَنْذَرْتَهُمْ)। ءَاَعْجَمِيٌّ (फ़ुस्सिलत 44) में दूसरा नरम (तसहील) पढ़ा जाता है, हमज़ा और अलिफ़ के बीच।	**دو ہمزے:** دونوں صاف پڑھے جاتے ہیں (ءَاَنْذَرْتَهُمْ)۔ ءَاَعْجَمِيٌّ (حٰمٓ السجدہ 44) میں دوسرا ہمزہ نرمی (تسہیل) سے، ہمزہ اور الف کے درمیان پڑھا جاتا ہے۔	ءَاَنْذَرْتَهُمْ	नाज़रा / ناظرہ
30	**जो हुरूफ़ लिखे जाते हैं मगर पढ़े नहीं जाते:** कुछ हुरूफ़ लिखे जाते हैं मगर पढ़े नहीं जाते, जैसे जमा के वाव के बाद वाला अलिफ़ (قَالُوْا) और اَنَا का आख़िरी अलिफ़। उन शब्दों की टेबल देखें जो लिखे एक तरह जाते हैं और पढ़े दूसरी तरह।	**لکھے ہوئے مگر نہ پڑھے جانے والے حروف:** بعض حروف لکھے جاتے ہیں مگر پڑھے نہیں جاتے، جیسے جمع کے و کے بعد الف (قَالُوْا) اور اَنَا کا آخری الف۔ جدول دیکھیں۔	قَالُوْا • اَنَا	पेज 16, 46 / صفحہ ۱۶، ۴۶

अल- का लाम, अल्लाह का नाम और हर्फ़ रा — لامِ تعریف، لفظ اللہ اور را

#	हिंदी	اردو	मिसाल	पेज
31	**लाम क़मरी (चाँद वाले हुरूफ़) — 14:** 14 क़मरी हुरूफ़ (अलिफ़, बा, ग़ैन, हा, जीम, काफ़, वाव, ख़ा, फ़ा, ऐन, क़ाफ़, या, मीम, हा) से पहले अल- का लाम जज़्म के साथ पढ़ा जाता है।	**لامِ قمری — 14 حروف:** ا ب غ ح ج ک و خ ف ع ق ی م ہ سے پہلے اَل کا لام جزم کے ساتھ پڑھا جاتا ہے۔	اَلْحَمْدُ • اَلْقَمَرُ	पेज 31, 35 / صفحہ ۳۱، ۳۵
32	**लाम शम्सी (सूरज वाले हुरूफ़) — 14:** 14 शम्सी हुरूफ़ (ता, सा, दाल, ज़ाल, रा, ज़ा, सीन, शीन, स्वाद, ज़्वाद, तोए, ज़ोए, लाम, नून) से पहले लाम नहीं पढ़ा जाता और अगले हर्फ़ पर तशदीद आती है।	**لامِ شمسی — 14 حروف:** ت ث د ذ ر ز س ش ص ض ط ظ ل ن سے پہلے لام خاموش رہتا ہے اور اگلے حرف پر تشدید آتی ہے۔	وَالشَّمْسِ	पेज 37, 38 / صفحہ ۳۷، ۳۸

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

नाम: ____________________

तजवीद के तमाम क़वाइद
تجوید کے تمام قواعد

33	**अल्लाह के नाम का लाम:** ज़बर या पेश के बाद पुर (مِنَ اللّٰہِ، نَارُ اللّٰہِ); ज़ेर के बाद बारीक (بِسْمِ اللّٰہِ)।	**لفظ اللہ کا لام:** زبر یا پیش کے بعد پُر (مِنَ اللّٰہِ، نَارُ اللّٰہِ)؛ زیر کے بعد باریک (بِسْمِ اللّٰہِ)۔	اَللّٰهُمَّ	पेज 36, 41, 42 صفحہ ۳۶، ۴۱، ۴۲
34	**रा (ر) पुर:** ज़बर या पेश के साथ; ज़बर या पेश के बाद साकिन; आरज़ी ज़ेर के बाद साकिन (اِرْجِعِیْ); ज़ेर के बाद साकिन, जब उसके बाद पुर हर्फ़ हो (مِرْصَادًا)।	**رِپُر:** زبر یا پیش کے ساتھ؛ ان کے بعد ساکن؛ عارضی زیر کے بعد ساکن (اِرْجِعِیْ)؛ زیر کے بعد ساکن اور آگے پُر حرف (مِرْصَادًا)۔	رَبُّكَ · قُرْاٰنٌ	पेज 10, 30, 42 صفحہ ۱۰، ۳۰، ۴۲
35	**रा (ر) बारीक:** ज़ेर के साथ; असली ज़ेर के बाद साकिन, जब उसके बाद कोई पुर हर्फ़ न हो (فِرْعَوْنَ); ی साकिन या ज़ेर के बाद रुकते वक़्त (خَیْرٌ، قَدِیْرٌ)।	**رباریک:** زیر کے ساتھ؛ اصلی زیر کے بعد ساکن اور آگے پُر حرف نہ ہو (فِرْعَوْنَ)؛ وقف میں ساکن ی یا زیر کے بعد (خَیْرٌ، قَدِیْرٌ)۔	رِجَالًا	पेज 10, 43 صفحہ ۱۰، ۴۳

नून साकिन और तनवीन
نون ساکن اور تنوین

36	**इज़हार (साफ़):** 6 हलक़ी हुरूफ़ (हमज़ा, हा, ऐन, हा, ग़ैन, ख़ा) से पहले नून साफ़ पढ़ा जाता है, ग़ुन्ना के बिना।	**اظہار:** حروفِ حلقی ء ہ ع ح غ خ سے پہلے نون صاف، بغیر غُنّہ کے پڑھا جاتا ہے۔	مِنْ اَہْلِ · عَیْنٍ اٰنِیَۃٍ	पेज 32, 43 صفحہ ۳۲، ۴۳
37	**ग़ुन्ना के साथ इदग़ाम:** अगले शब्द के शुरू में या, नून, मीम और वाव में से कोई हर्फ़ हो, तो नून ग़ुन्ना के साथ उस हर्फ़ में मिल जाता है।	**ادغام مع الغُنّہ:** اگلے لفظ کے ی ن م و سے پہلے نون اس حرف میں غُنّہ کے ساتھ مل جاتا ہے۔	مَنْ يَّعْمَلْ · خَيْرًا يَّرَهٗ	पेज 41, 42 صفحہ ۴۱، ۴۲
38	**ग़ुन्ना के बिना इदग़ाम:** लाम और रा से पहले नून पूरी तरह मिल जाता है, ग़ुन्ना के बिना।	**ادغام بلا غُنّہ:** ل اور ر سے پہلے نون پوری طرح بغیر غُنّہ کے مل جاتا ہے۔	مِنْ رَّبِّكَ · وَيْلٌ لِّكُلِّ	पेज 41, 42 صفحہ ۴۱، ۴۲
39	**एक शब्द के अंदर इदग़ाम नहीं:** जब एक ही शब्द में नून साकिन के बाद या और वाव में से कोई हर्फ़ आए, तो नून साफ़ रहता है: दुन्या, बुन्यान, सिन्वान, क़िन्वान।	**ایک لفظ میں ادغام نہیں:** نون ساکن اور ی یا و ایک ہی لفظ میں ہوں تو نون صاف پڑھا جاتا ہے: دُنْیَا، بُنْیَانٌ، صِنْوَانٌ، قِنْوَانٌ۔	دُنْيَا	नाज़रा ناظرہ
40	**इक़लाब:** बा से पहले नून (या तनवीन) मीम में बदल जाता है, और ग़ुन्ना के साथ छुपाया जाता है।	**اقلاب:** ب سے پہلے نون (یا تنوین) میم بن جاتا ہے اور غُنّہ کے ساتھ چھپایا جاتا ہے۔	مِنْۢ بَعْدِ · لَيُنْۢبَذَنَّ	पेज 41, 43 صفحہ ۴۱، ۴۳
41	**इख़्फ़ा (छुपाना) — 15 हुरूफ़:** बाक़ी 15 हुरूफ़ (ता, सा, जीम, दाल, ज़ाल, ज़ा, सीन, शीन, स्वाद, ज़्वाद, तोए, ज़ोए, फ़ा, क़ाफ़, काफ़) से पहले नून 2 गिनती के ग़ुन्ना के साथ नाक में छुपाया जाता है।	**اخفاء — 15 حروف:** ت ث ج د ذ ز س ش ص ض ط ظ ف ق ک سے پہلے نون ناک میں دو حرکت غُنّہ کے ساتھ چھپایا جاتا ہے۔	اَنْزَلْنَا · مُنْفَكِّيْنَ	पेज 13, 30, 38 صفحہ ۱۳، ۳۰، ۳۸
42	**नून क़ुतनी:** तनवीन के बाद हमज़तुल-वस्ल: ज़ेर वाला एक छोटा नून दोनों को मिलाता है।	**نون قطنی:** تنوین کے بعد ہمزۂ وصل ہو تو ایک چھوٹا زیر والا نون دونوں کو ملاتا ہے۔	لُّمَزَةِ ۨالَّذِیْ	पेज 41 صفحہ ۴۱

मीम साकिन
میمِ ساکن

43	**इख़्फ़ा शफ़वी:** बा से पहले मीम साकिन: ग़ुन्ना के साथ छुपाया जाता है।	**اخفائے شفوی:** میمِ ساکن کے بعد ب: غُنّہ کے ساتھ چھپا کر۔	تَرْمِيْهِمْ بِحِجَارَةٍ	पेज 43 صفحہ ۴۳
44	**इदग़ाम शफ़वी:** मीम से पहले मीम साकिन: ग़ुन्ना के साथ मिलाया जाता है।	**ادغامِ شفوی:** میمِ ساکن کے بعد م: غُنّہ کے ساتھ ادغام۔	لَهُمْ مَّا	पेज 43 صفحہ ۴۳
45	**इज़हार शफ़वी:** बाक़ी हर हर्फ़ से पहले मीम साफ़ पढ़ा जाता है — वाव और फ़ा से पहले ख़ास ध्यान रखें।	**اظہارِ شفوی:** باقی ہر حرف سے پہلے میم صاف پڑھا جاتا ہے — و اور ف سے پہلے خاص خیال رکھیں۔	ہُمْ فِيْهَا · لَكُمْ دِيْنُكُمْ	पेज 43 صفحہ ۴۳

तशदीद और ग़ुन्ना
تشدید اور غُنّہ

46	**तशदीद:** तशदीद वाला हर्फ़ दो बार पढ़ा जाता है: पहले साकिन, पहले वाले हर्फ़ से मिलाकर; फिर अपनी हरकत के साथ, ज़ोर से।	**تشدید:** مشدد حرف دو بار پڑھا جاتا ہے: پہلے ساکن ہو کر پچھلے حرف سے مل کر، پھر اپنی حرکت کے ساتھ زور سے۔	اَبَّ · قَدَّرَ	पेज 33, 35 صفحہ ۳۳، ۳۵
47	**तशदीद वाले नून और मीम पर ग़ुन्ना:** तशदीद वाले नून और मीम पर हमेशा 2 गिनती (एक अलिफ़) का ग़ुन्ना होता है।	**نّ اور مّ پر غُنّہ:** مشدد نون اور مشدد میم پر ہمیشہ دو حرکت (ایک الف کے برابر) غُنّہ ہوتا ہے۔	اِنَّ · ثُمَّ	पेज 35, 39 صفحہ ۳۵، ۳۹
48	**दो या ज़्यादा तशदीदें:** हर दोहरे हर्फ़ को, एक के बाद एक, उसका पूरा वज़न दें।	**ایک سے زیادہ تشدیدیں:** ہر مشدد حرف کو ایک کے بعد ایک پورا وزن دیں۔	الْمُزَّمِّلُ	पेज 39 صفحہ ۳۹

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · ©2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964

Book a FREE trial class

नाम: ____________________

क़वाइद · 4/4 — तजवीद के तमाम क़वाइद — تجوید کے تمام قواعد

#	हिन्दी	اردو	مثال	पेज
49	**सुकून के साथ तशदीद:** साकिन हर्फ़ और तशदीद ढूँढें, फिर जुमला एक ही साँस में पढ़ें।	**تشدید مع سکون:** ساکن حرف اور تشدید تلاش کریں، پھر جملہ ایک سانس میں پڑھیں۔	تَبَّتْ	पेज 38 / صفحہ ۳۸
50	**दो हुरूफ़ को मिलाना (इदग़ाम):** साकिन हर्फ़ अपने जैसे या क़रीबी हर्फ़ में मिल जाता है: इज़् ज़हबा, क़द तबय्यना, इज़् ज़लमू, क़ुल रब्बि, अलम नख़्लुक़्कुम।	**دو حروف کا ادغام:** ساکن حرف اپنے جیسے یا قریبی حرف میں مل جاتا ہے: اِذْ ذَّہَب، قَدْ تَّبَیَّنَ، اِذْ ظَّلَمُوْا، قُلْ رَّبِّ، اَلَمْ نَخْلُقْکُّمْ۔	قَدْ تَّبَيَّنَ	नाज़रा / ناظرہ
51	**तशदीद वाले हर्फ़ पर रुकना:** तशदीद वाले हर्फ़ पर रुकें तो दोहरापन और ग़ुन्ना बाक़ी रखें; ज़्यादातर ग़लतियाँ यहीं होती हैं।	**نّ، مّ، رّ پر وقف:** مشدد حرف پر وقف کریں تو تشدید اور غُنّہ باقی رکھیں؛ اکثر غلطی یہیں ہوتی ہے۔	الْحَقّْ	पेज 35 / صفحہ ۳۵

रुकना (वक़्फ़) — وقف

#	हिन्दी	اردو	مثال	पेज
52	**कैसे रुकें:** आवाज़ और साँस आख़िरी हर्फ़ पर ख़त्म करें और उसे साकिन कर दें। दो ज़बर लंबा "आ" बन जाते हैं; ता मरबूता साकिन हा बन जाती है; आख़िरी हर्फ़ से पहले वाला मद 2, 4 या 6 हो सकता है।	**وقف کا طریقہ:** آخری حرف پر آواز اور سانس ختم کر کے ساکن کریں۔ دو زبر لمبا «آ»؛ ۃ ساکن ہ؛ آخری حرف سے پہلے مد 2، 4 یا 6۔	الرَّحِيْمْ	पेज 41, 44 / صفحہ ۴۱، ۴۴
53	**वक़्फ़ के निशान:** गोला = आयत का ख़त्म · मीम = ज़रूर रुकें · तोए = रुकें · जीम = रुक सकते हैं · ज़ा = मिलाकर पढ़ना बेहतर · स्वाद, सले, क़ाफ़ = मिलाकर पढ़ें · ला = न रुकें।	**علامات وقف:** ○ آیت · م لازم · ط مطلق · ج جائز · ز مجوز · ص مرخص · صلے وصَل بہتر · ق قیل · لا نہ رکیں۔	م ط ج ز	पेज 44 / صفحہ ۴۴
54	**दोबारा शुरू करना:** रुकने के बाद ऐसे शब्द से दोबारा शुरू करें जहाँ से मतलब सही बने; अगर ۧ पर रुके हों, तो पीछे से लौटाकर मिलाएँ।	**دوبارہ شروع کرنا:** وقف کے بعد ایسے لفظ سے شروع کریں جس سے معنی درست رہے؛ لا پر رک گئے ہوں تو پیچھے سے ملا کر پڑھیں۔	لا	पेज 44 / صفحہ ۴۴
55	**सक्ता — साँस लिए बिना ठहरना:** हफ़्स में चार जगहें: इवजा (अल-कहफ़ 1), मरक़दिना (या-सीन 52), मन राक़ (अल-क़ियामह 27), बल राना (अल-मुतफ़्फ़िफ़ीन 14)।	**سکتہ — سانس توڑے بغیر:** حفص میں چار جگہ: عِوَجًا ۜ (الکہف 1)، مَّرْقَدِنَا ۜ (یٰسٓ 52)، مَنْ ۜ رَاقٍ (القیامہ 27)، بَلْ ۜ رَانَ (المطففین 14)۔	مَنْ ۜ رَاقٍ	पेज 44 / صفحہ ۴۴

रिवायत-ए-हफ़्स के ख़ास शब्द — روایتِ حفص کے خاص کلمات

#	हिन्दी	اردو	مثال	पेज
56	**जो शब्द अपनी लिखावट से अलग पढ़े जाते हैं:** 22 शब्द, जैसे अना, समूदा, सलासिला, क़वारीरा — टेबल देखें।	**لکھنے اور پڑھنے میں فرق:** اَنَا، ثَمُوْدَا، سَلٰسِلَا، قَوَارِیْرَا جیسے 22 کلمات — جدول دیکھیں۔	قَوَارِيْرَا	पेज 46 / صفحہ ۴۶
57	**स्वाद (ص) को सीन (س) पढ़ना:** यब्सुतु (अल-बक़रह 245) और बस्ततन (अल-आराफ़ 69) सीन से पढ़े जाते हैं; अल-मुसैतिरून (अत-तूर 37) सीन या स्वाद से; बि-मुसैतिर (अल-ग़ाशियह 22) स्वाद से।	**ص کو س پڑھنا:** یَبۡصُۜطُ (البقرہ 245)، بَصۜۡطَةً (الاعراف 69) س سے؛ الۡمُصَۜیۡطِرُوۡنَ (الطور 37) س یا ص؛ بِمُصَیۡطِرٍ (الغاشیہ 22) ص سے۔	يَبْصُۜطُ	पेज 46 / صفحہ ۴۶
58	**इमाला:** मजराहा (हूद 41): रा को "ए" की तरफ़ झुकाकर पढ़ा जाता है: मजरेहा।	**امالہ:** مَجْرٖیهَا (ہود 41): ر کو «اے» کی طرف مائل کر کے پڑھیں: مجریہا۔	مَجْرٖيهَا	नाज़रा / ناظرہ
59	**इश्माम:** तअ्मन्ना (यूसुफ़ 11): नून को ग़ुन्ना के साथ पढ़ते वक़्त होंठ गोल करें।	**اشمام:** تَاْمَنَّا (یوسف 11): نون غُنّہ کے ساتھ پڑھتے ہوئے ہونٹ گول کریں۔	تَاْمَنَّا	नाज़रा / ناظرہ
60	**नक़्ल:** बिअ्सल-इस्मु (अल-हुजुरात 11) मिलाकर पढ़ने में बिअ्सलिस्मु पढ़ा जाता है।	**نقل:** بِئْسَ الِاسْمُ (الحجرات 11) ملا کر «بِئْسَ لِسْمُ» پڑھا جاتا ہے۔	بِئْسَ الِاسْمُ	नाज़रा / ناظرہ
61	**शब्द ज़अ्फ़ / ज़ुअ्फ़:** अर-रूम 54 में ज़अ्फ़ के ज़्वाद को ज़बर या पेश से पढ़ सकते हैं; हफ़्स में दोनों सही हैं।	**ضعف:** الروم 54 میں ض پر زبر یا پیش دونوں پڑھ سکتے ہیں (ضَعْف / ضُعْف)؛ حفص میں دونوں درست ہیں۔	ضَعْفٍ	नाज़रा / ناظرہ

☆ टीचर के साथ पढ़ा ☆ घर पर प्रैक्टिस की ☆ कोई ग़लती नहीं!

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School

quranplusschool.com · WhatsApp +92 317 0924964
Book a FREE trial class

Quran Plus School
ONLINE QUR'AN & SUBJECT ACADEMY

नाम: ____________________

आख़िरी टेस्ट *(इख़्तियारी)*

ज़रूरी नहीं: इसे दोहराई के लिए या नाज़रा शुरू करने से पहले इस्तेमाल करें। छोटा बच्चा जब पहली बार क़ायदा सीखता है, तब इसकी ज़रूरत नहीं।

हुरूफ़	ق	ع	ظ	ض	ص	ذ	ح	ث	__/8
हरकतें और तनवीन	بَشَرٍ	وَلَدًا	اَحَدٌ	كُتِبَ	خَلَقَ				__/5
मद, लीन और सुकून	اَنْعَمْتَ	قُلْ	يَوْمُ	قِيْلَ	قَالَ				__/5
तशदीद और ग़ुन्ना	مِنْ رَّبِّهِمْ	اَلشَّمْسُ	ثُمَّ	اِنَّ					__/4
पढ़ना	وَلَا الضَّآلِّيْنَ	قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ							__/2

رَبِّ زِدْنِىْ عِلْمًا

सनद — क़ायदा मुकम्मल

यह सनद इस बात की तस्दीक़ करती है कि

____

ने नूरानी क़ायदा की सभी 17 तख़्तियाँ कामयाबी से मुकम्मल कर लीं। अल्लाह तआला इल्म में बरकत दे।

____________________ ____________________

उस्ताद तारीख़

Free to print and share for personal & classroom use · © 2026 Quran Plus School